बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 166 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 01 जुलाई 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

रश्मिका ने 'एनिमल' की आलोचनाओं पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'फिल्म देखने के लिए मजबूर नहीं किया'

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'कुबेर' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके अलावा हाल ही में रश्मिका ने अपनी आगामी फिल्म का भी पोस्टर जारी किया था। जिसमें वो अब तक के अपने सबसे अलग तरह के किरदार में नजर आएंगी। इस बीच रश्मिका ने दो साल पहले आई सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने उन प्रतिक्रियाओं पर भी रिएक्ट किया जिनमें 'एनिमल' की आलोचना की गई थी। मोजो स्टोरी के साथ बातचीत में रश्मिका मंदाना ने 'एनिमल' की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए अपनी फिल्म का बचाव किया। साथ ही उन्होंने कहा, 'अगर आप उन लोगों में से हैं जो फिल्म से प्रभावित होने वाले हैं, तो अपनी तरह की फिल्में देखें।

मराठी के ऊपर हिंदी थोपे जाने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएगी : राज ठाकरे

मुंबई । महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने सोमवार को कहा कि हिंदी व्यापक रूप से बोली जाती है, लेकिन यह अन्य राज्यों पर थोपी जाने वाली राष्ट्रीय भाषा नहीं है तथा इसे प्राचीन भाषा मराठी से ऊपर रखने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मनसे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) स्कूलों में प्राथमिक कक्षाओं के लिए तीसरी भाषा के रूप में ''हिंदी को थोपने का विरोध करने में सबसे आगे रही हैं। महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक हिंदी भाषा को शामिल करने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच रविवार को राज्य सरकार ने 'त्रि-भाषा नीति पर सरकारी आदेश को रद्द कर दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकारी आदेश को वापस ले लिया गया है और उन्होंने भाषा नीति के कार्यान्वयन और आगे की राह सुझाने के लिए शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। राज ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''लोग 150 से 200 साल पुरानी हिंदी भाषा को उस मराठी से बेहतर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका इतिहास 3,000 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह अस्वीकार्य है और मैं यह होने नहीं दूंगा। उन्होंने ऐसी भाषाई विविधता वाले देश में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रचारित करने की वैधता पर सवाल उठाया। मनसे प्रमुख ने कहा, ''हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं है जिसे दूसरे राज्यों पर थोपा जाए। इस तरह की जबरदस्ती ठीक नहीं है।

कर्नाटक में होगा नेतृत्व सत्ता परिवर्तन? मल्लिकार्जुन खड़गे ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला के कर्नाटक दौरे और राज्य कांग्रेस इकाई में बदलाव की अटकलों के बीच पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री बदलना पार्टी हाईकमान के हाथ में है। उन्होंने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि यह पार्टी हाईकमान के हाथ में है। कोई नहीं कह सकता कि हाईकमान में क्या चल रहा है। यह हाईकमान पर छोड़ दिया गया है और उन्हें आगे की कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन किसी को भी अनावश्यक रूप से समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। सुरजेवाला के दौरे पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सुरजेवाला राज्य में आए हैं। वह पूछेंगे कि क्या चल रहा है और क्या हुआ है, इस बारे में जानकारी जुटाएंगे। उसके आधार पर हम देखेंगे कि आगे क्या करने की जरूरत है। इससे पहले सोमवार को रणदीप सुरजेवाला के दौरे को संबोधित करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जोर देकर कहा कि वह पार्टी संगठन को मजबूत करने आए हैं। कर्नाटक के सीएम ने कहा, वह संगठन को मजबूत करने के लिए राज्य में आ रहे हैं। वह अपना काम करेंगे। सीएम सिद्धारमैया ने कहा, हमारी सरकार पांच साल तक चट्टान की तरह टिकेगी। हम साथ आएंगे। इससे पहले, इस मुद्दे पर बात करते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि उन्हें रणदीप सुरजेवाला के दौरे के पीछे के कारण के बारे में पता नहीं है और उन्होंने कहा कि वह आगामी जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों से पहले पार्टी संगठन पर चर्चा कर सकते हैं। परमेश्वर ने जोर देकर कहा कि राज्य पार्टी मामलों में हस्तक्षेप करना कांग्रेस पार्टी हाईकमान का काम है, और यह सामान्य बात है कि अगर नेताओं के बीच मामूली मतभेद पैदा होते हैं तो वे नेताओं से बात करते हैं।

भगदड़ मामले में कांग्रेस ने मांगा सीएम का इस्तीफा, मृतकों के परिजनों को 50 लाख देने को कहा

भुवनेश्वर । ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को पुरी में हुई भगदड़ के मामले में सीएम मोहन चरण माझी, डिप्टी सीएम प्रवती परीदा और कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन से इस्तीफा देने की मांग की। कांग्रेस ने शीर्ष नेतृत्व को घटना के लिए जिम्मेदार बताया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हैं। कांग्रेस पार्टी ने मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा साथ ही गंभीर रूप से घायल लोगों को 25 लाख रुपये देने की मांग की। ओडिशा सरकार ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने का एलान किया है। कांग्रेस का कहना है कि 25 लाख रुपये कम है और मुआवजे की राशि बढ़ाकर दोगुनी करनी चाहिए। रविवार की सुबह करीब 4.20 बजे जब भगवान जगन्नाथ का रथ गुंडिचा मंदिर के बाहर खड़ा था, उसी दौरान रथ यात्रा से जुड़े एक अनुष्ठान में भगदड़ मच गई, जिसमें दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। कांग्रेस ने सरकार को भगदड़ मामले पर घेरते हुए कहा कि यह हादसा खराब प्रबंधन की वजह से हुआ। पार्टी ने इस मामले में मौजूदा जिला जज की अध्यक्षता में न्यायिक समिति गठित करने और उससे भगदड़ मामले की जांच कराने की अपील की। ओडिशा सरकार ने भी हादसे की जांच के लिए एक समिति गठित की है, जिसकी कमान विकास आयुक्त को दी गई है। कांग्रेस की भी एक समिति ने भगदड़ स्थल का दौरा किया और हादसे के कारणों की जांच पड़ताल की। कांग्रेस की समिति ने हादसे में घायल लोगों से भी अस्पताल जाकर मुलाकात की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि घायलों के इलाज में लापरवाही बरती जा रही है और सरकार हादसे को कमतर करके बताने में जुटी है।

जानवर 'जीवन धन हैं, 'पशु शब्द का इस्तेमाल ठीक नहीं : राष्ट्रपति मुर्मू

बरेली ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को पदक व उपाधि देकर सम्मानित किया। उन्होंने पशु चिकित्सा क्षेत्र में उपाधि और पदक पाने वाले मेधावियों को बधाई दी। कहा कि इस समारोह में छात्राओं को बड़ी संख्या में देखकर गर्व की अनुभूति होती है। बेटियां अन्य क्षेत्रों की तरह पशु चिकित्सा क्षेत्र में भी आगे रही हैं। यह बहुत ही शुभ संकेत है। राष्ट्रपति ने कहा कि आप सब ने निरीह और बेजुबान पशुओं की

■ पशु चिकित्सा में बेटियों की भागीदारी शुभ संकेत, आईवीआरआई में राष्ट्रपति मुर्मू के संबोधन की बड़ी बातें

चिकित्सा और कल्याण के क्षेत्र को अपने करियर के रूप में चुना है। इस चुनाव के पीछे 'सर्वे भवन्तु सुखिन, सर्वे सन्तु निरामया' की भारतीय सोच का भी योगदान रहा है। राष्ट्रपति सुबह करीब 9:50 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से त्रिशूल

एयरबेस पर उतरीं। वहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी भी मौजूद रहे। यहां से वह सीधे आईवीआरआई परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार पहुंचीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने स्नातक, मास्टर और डॉक्टरेट डिग्री के विद्यार्थियों को अपने हाथ से प्रमाण पत्र व गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि 'ईशावास्यम् इदम् सर्वम' के जीवन मूल्य पर आधारित हमारी संस्कृति, सभी जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। पशुओं से हमारे देवताओं व ऋषि-मुनियों का संवाद होता है। भगवान के कई अवतार भी इसी विशिष्ट श्रेणी में हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक या शोधकर्ता के रूप में कार्य करें तो बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना मन में हो। पशु और मानव में एक परिवार का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि पशुओं में बीमारियों की रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है। पशु चिकित्सा अनुसंधान में आईवीआरआई से जुड़े वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं का योगदान सराहनीय है। इस संस्थान ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त किया है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में अनेक टीके यहीं पर विकसित किए गए हैं। यह गर्व की बात है। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पशु हमारे लिए साधन (परिवहन के लिए) और किसानों के लिए बल रहे हैं। पशु के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकता है। पशु जीवन धन है। उनके बिना हम जिंदगी सोच नहीं सकते। राष्ट्रपति ने विलुप्त हो रहे जीव-जंतुओं पर चिंता जताई। कहा कि जब विभिन्न प्राणियों का संवर्धन होगा, तब जैव-विविधता बढ़ेगी और यह धरती तथा मानव जाति खुशहाल होगी। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान जैसी संस्थाओं से अपील है कि वे जैव-विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें।

हिमाचल में भारी बारिश- 129 सड़कें बंद, 39 की मौत

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 129 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून की बाद से राज्य में अब तक 39 की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे सड़क यातायात प्रभावित हुआ है। टनल के अंदर भी कई गाड़ियां फंस गई है। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद है। बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज और 17 राज्यों में यलो अलर्ट है।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका, 10 मजदूरों की मौत

नई दिल्ली ।

तेलंगाना के पशमीलाराम में सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, फैक्ट्री में रिएक्टर विस्फोट के कारण आग लगी। तेलंगाना के अग्निशमन अधिकारियों ने बताया है कि रिएक्शन विस्फोट के कारण लगभग 15 से 20 लोग घायल हुए हैं। तेलंगाना टुडे के अनुसार, विस्फोट के कारण कई श्रमिकों के फंसे होने की भी आशंका है। रिपोर्ट के अनुसार, घटनास्थल पर 11 दमकल गाड़ियां तैनात की गई हैं और आग बुझाने का काम जारी है। फंसे हुए श्रमिकों को खोजने के लिए बचाव और खोज दल भी घटनास्थल पर तैनात किए गए हैं।

घटना के तुरंत बाद मौके पर दमकल गाड़ियां और एंबुलेंस देखी गई। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के अनुसार, 25 जून को असम के गोलाघाट जिले के बोकाखाट के पास पनबारी इलाके में एक संदिग्ध ग्रेनेड विस्फोट में तीन पुलिस कर्मियों को मामूली चोटें आईं। असम के मंत्री अतुल बोरा ने भी बोकाखाट के स्वाहिद कमला मिरी सिविल अस्पताल में घायल कर्मियों से मुलाकात की, जहां उनका इलाज चल रहा है

बाल-बाल बचे कई लोग

स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय कई कर्मचारी रिएक्टर के

विस्फोट में 15 से 20 लोग घायल

पास काम कर रहे थे। वहीं, धमाके के बाद आग पूरी फैक्ट्री में फैल गई, जिससे कई लोग अंदर ही फंस गए। इस फैक्ट्री में उत्तर प्रदेश और ओडिशा समेत कई राज्यों के कर्मचारी मौजूद थे। आग लगने के बाद ज्यादातर कर्मचारी बाहर निकलने में कामयाब रहे। हालांकि, इस दौरान कई लोग आग की लपटों में बुरी तरह झुलस गए हैं।

पीएम मोदी ने किया आर्थिक मदद का एलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना में लोगों की मौत पर जताया। उन्होंने कहा, घटना से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख जताया

यह पूछे जाने पर कि क्या यह विस्फोट था या फिर कोई अन्य दुर्घटना? एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि यह विस्फोट था।

आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख जताया है और अधिकारियों को फंसे हुए श्रमिकों को बचाने और उन्हें सबसे अच्छा इलाज मुहैया कराने के लिए सभी कदम उठाने का निर्देश दिया।

आंध्र प्रदेश में लॉरी, मिनी ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिला स्थित कुरबल कोटा में सोमवार तड़के एक लॉरी और मिनी ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि हादसे में मारे गए लोग 14 लोगों के एक समूह का हिस्सा थे जो एक मिनी ट्रक में कर्नाटक के तिरुमला से बागपल्ली लौट रहे थे, तभी गलत दिशा से आ रही लॉरी (कंटेनर ट्रक) कदिरी-मदनपल्ली राजमार्ग पर मिनी ट्रक से टकरा गई। मदनपल्ली के उपाधीक्षक (डीएसपी) महेंद्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''वे तड़के तीन बजे से साढ़े तीन बजे के बीच तिरुमाला से रवाना हुए थे।

सुल्तानपुर माजरा विधानसभा में बढते अपराध व नशाखोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (इंद्रजीत सिंह) प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ऊर्जावान ओजस्वी अध्यक्ष देवेंद्र यादव, संघर्षशील किराड़ी जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार के निर्देशानुसार, सुल्तानपुर माजरा विधानसभा में जनहित से जुड़े नशे,जुआ सट्टे पर विरोध प्रदर्शन, जलेबी चौक पर किया ग्र प्रदर्शन की अध्यक्षता, विजय कुमार भारती ने की सुल्तानपुरी थाना प्रभारी रौड़ा को ज्ञापन दिया और सुल्तानपुरी से नशा जुआ सट्टा बंद करने का आग्रह किया । मुख्य रूप से जिला महासचिव, विजय कुमार भारती, ब्लॉक अध्यक्ष , चंदन सिंह, दीपक चुन्नीलाल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ओम प्रकाश राठौर, नबी बख्श ठेकेदार विजय खंडेलवाल, सुलेमान सलमानी, चरण ढाका, सोनू वोहर, प्रदीप घांसु , राजू बाल्मीकि व महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस के साथी सभी कार्यकर्ता शामिल रहे ।

पूर्व सांसद श्री किशोर लाल का उनके निवास पर जाकर सम्मान

नई दिल्ली (अजय कुमार चौधरी)राष्ट्र टाइम्स की 45वीं वर्षगांठ के अवसर पर मुझे यह गौरव प्राप्त हुआ कि मैंने 93 वर्षीय वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व सांसद श्री किशोर लाल जी को उनके निवास 5, डॉक्टर लेन पर जाकर शॉल, स्मारिका एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। श्री किशोर लाल जी ने 1977 के ऐतिहासिक लोकसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय श्री एच. के. एल. भगत को पूर्वी दिल्ली से पराजित कर भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव का संदेश दिया था। इस अवसर पर उन्होंने अपने समृद्ध राजनीतिक जीवन के अनुभव साझा किए। उनके विचार आज की राजनीति में नैतिक मूल्यों और जनसेवा की प्रेरणा देते हैं। राष्ट्र टाइम्स परिवार की ओर से यह सम्मान उनके योगदान और जीवन दर्शन के प्रति आदर और कृतज्ञता का प्रतीक है

बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण

बिहार चुनावों से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची का पुनरीक्षण शुरू कर दिया गया है। महाराष्ट्र चुनाव के बाद से ही मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता तीखे तेवर अपनाए हुए थे। इसके बाद चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का सत्यापन कराने का फैसला किया। अब जबकि चुनाव आयोग ने फैसले के मुताबिक काम करना शुरू किया। उस पर भी घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस, राजद, तृणमूल कांग्रेस, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, वामपंथी दलों और बिहार की वीआईपी पार्टी ने चुनाव आयोग को लेकर फिर से सवाल खड़े कर दिए है।

अगर प्रथम दृष्टि से देखा जाए तो चुनाव आयोग ने यह कदम जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) और मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के तहत उठाया है। जिसके अंतर्गत आयोग किसी भी समय मतदाता सूची के विशेष संशोधन का आदेश दे सकता है। इस संशोधन के तहत सभी नागरिकों को व्यक्तिगत रूप से गणना फार्म भरना होगा और 1 जनवरी 2003 के बाद पंजीकृत सभी मतदाताओं को नागरिकता प्रमाण के दस्तावेज जमा करने होंगे। यह प्रक्रिया 25 जून से शुरू होकर 30 सितंबर तक चलेगी और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन इसी दिन किया जाएगा। चुनाव आयोग ने गहन पुनरीक्षण के पीछे कई कारण गिनाए हैं।

इनमें शहरीकरण की तेज गति, आंतरिक पलायन, मृतकों के नाम सूची से हटाने में देरी, नए योग्य युवाओं का पंजीकरण और कथित रूप से अवैध विदेशी नागरिकों के नामों का शामिल होना शामिल है। आयोग का कहना है कि इन सभी कारणों से मतदाता सूची की शुद्धता प्रभावित होती है और इसे ठीक करने के लिए यह विशेष अभ्यास आवश्यक है। इस गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता से व्यक्तिगत जानकारी लेंगे। इसके लिए हर मतदाता को एक व्यक्तिगत गणना फॉर्म भरना होगा। 2003 के बाद मतदाता सूची में नाम जुड़वाने वालों को अपने नागरिक होने का प्रमाण भी देना होगा। इसमें पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता के मतदाता पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश, भूमि रिकॉर्ड, स्थानीय निकाय द्वारा जारी निवास प्रमाणपत्र आदि दस्तावेज मान्य माने जाएंगे। इससे पहले, बीएलओ घरों में जाकर 'गणना पैड' भरवाते थे जो परिवार के मुखिया द्वारा भर दिया जाता था लेकिन इस बार हर व्यक्ति को अलग-अलग दस्तावेज और फॉर्म भरने होंगे।

साथ ही नए मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म 6 में अब एक अतिरिक्त घोषणापत्र जोड़ा गया है, जिसमें नागरिकता का स्पष्ट प्रमाण देना अनिवार्य होगा। 1 जुलाई 1987 और 2 दिसम्बर 2004 के बीच जन्में लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र के साथ घोषणा पत्र जमा कराना होगा। विपक्षी इंडिया गठबंधन पहले तो मतदाताओं की अचानक बढ़ती संख्या पर सवाल उठा रहा था लेकिन अब चुनाव आयोग की कार्रवाई पर भी उसे साजिश की बू आ रही है। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने चुनाव आयोग के आदेश को गरीबों से मतदान अधिकार छीनने की साजिश बताया और कहा कि संशोधन अभ्यास राज्य बहिष्कृत करने का जोखिम उठाएगा।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि सत्यापन प्रक्रिया की आड़ में चुनाव आयोग बंगाल के युवाओं को निशाना बना रहा है। ममता बनर्जी ने तो इसे एनआरसी से भी अधिक खतरनाक करार दिया। बिहार में चुनाव इसी साल होने जा रहे हैं जबकि अन्य पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, असम, पुडुचेरी और तमिलनाडु में चुनाव अगले वर्ष प्रस्तावित है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया से ग्रामीण लोग बाहर रह जाएंगे। फिर सूची बढ़ाने के लिए फर्जी मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। इस बात का भी संदेह व्यक्त किया गया है कि भाजपा के दबाव में चुनाव आयोग उन लोगों के नाम मतदाता सूची से न हटा दे जो विपक्षी दलों के समर्थक माने जाते हैं। यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि जो काम दो साल में होता है उसको 25 दिन में कैसे पूरा कर लिया जाएगा। यह एक तरफ से बैक डोर से एनआरसी लागू करने जैसा है। चुनाव आयोग ने विपक्ष के आरोपों को देखते हुए मतदाता सूची में संशोधन कर सही कदम उठाया है लेकिन विपक्ष अपना राग अलाप रहा है। चुनाव आयोग को न सिर्फ निष्पक्ष होना चाहिए बल्कि निष्पक्ष दिखना चाहिए। यह पहली बार नहीं है कि जब चुनाव आयोग और विपक्ष आमने-सामने हो। पार्टियों की संख्या, मतदाताओं की संख्या, पोलिंग बूथों की संख्या सब बढ़े हैं।

इसके साथ-साथ चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें भी बढ़ी हैं। ईवीएम से लेकर मत प्रतिशत की जानकारी देने तक को लेकर बहुत से संदेह पहले ही जताए जाते रहे हैं। यद्यपि आयोग सभी आरोपों को खारिज करता रहा है लेकिन स्वतंत्र संवैधानिक संस्था की साख भी प्रभावित हुई है। महाराष्ट्र में 5 साल में जितने मतदाता नहीं बढ़े उससे ज्यादा पांच महीने में कैसे बढ़ गए। इस पर भी चुनाव आयोग स्पष्ट उत्तर नहीं दे पाया। चुनाव आयोग को बिहार की जनता को और विपक्ष के नेताओं को भरोसा दिलाना होगा कि यह प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष हो और इसमें कोई गलती नहीं की जाएगी। यह सारा काम इतनी कुशलता से होना चाहिए कि मतदाताओं और राजनीतिक दलों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे।

मुकदमा, भारत सरकार व एक पाक नागरिक के मध्य

ईरान-इजराइल युद्ध व उससे पूर्व चल रहे यूक्रेन-रूस युद्ध के शोर में कुछ बेहद महत्वपूर्ण घटनाएं हमसे छूट गईं। उन पर एक दृष्टि डाल लेना भी बेहद जरूरी है। अपने जीवन के सौ वर्ष पूरे कर चुके भारतीय चित्रकार कृष्ण खन्ना की उपलब्धियों की चर्चा जिस स्तर पर होनी चाहिए थी, नहीं हो पाई। वर्ष 1925 में पांच जुलाई को लायलपुर में जन्मे चित्रकार को जितने अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिले, उतने संभवतः किसी अन्य चित्रकार को नहीं मिल पाए। स्वाधीनता-प्राप्ति के बाद भी देश में व्याप्त अराजकता को जिस सौंदर्य बोध के साथ इस महान चित्रकार ने उकेरा वह विलक्षण था। वर्तमान में हमने एक पेंटिंग्स पर लगभग सात दशक से चल रहे विवाद को भी दृष्टिविगत कर दिया। भारत-पाक के बीच रोरिक की पेंटिंग्स 70 वर्ष तक चलते रहे मुकदमे को भी अभी तक हम उचित महत्व नहीं दे पाए। शायद आपने कभी सोचा भी न होगा कि भारत सरकार व एक पाकिस्तानी नागरिक के बीच 70 वर्ष से दो 'पेंटिंग्स' को लेकर भी अदालती विवाद चल रहा है। यह दोनों पेंटिंग्स भारत में आकर बसे प्रख्यात रूसी कलाकार निकोलस रोरिक (1874-1947) ने बनाई थीं। यह विवाद इन दिनों भी ब्रिटेन की एक अदालत में विचाराधीन है। निकोलस रोरिक की ये दोनों पेंटिंग्स 'हिमालय कंचनजंघा' और 'सनसैट काश्मीर' सन् 2009 तक पूसा रोड स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के पास मौजूद थीं। उसी वर्ष अचानक एक दिन दोनों 'पेंटिंग्स' चोरी हो गईं। कुछ ही महीनों बाद दोनों कलाकृतियां लंदन की प्रसिद्ध कला-नीलामी संस्था 'सोथबी' के पास पहुंच गईं। दोनों का मूल्य लगभग 40 लाख पौंड आंका गया। ये दोनों कलाकृतियां एक पाकिस्तानी नागरिक ज़ाहिर नज़ीर द्वारा नीलामी के लिए भेजी गई थीं। ज़ाहिर नज़ीर का दावा है कि ये दोनों पेंटिंग्स उसके दादा व भारतीय उपमहाद्वीप के एक चर्चित फिल्म अभिनेता नज़ीर अहमद खान को निकोलस रोरिक की पुत्रवधू एवं अपने समय की प्रख्यात भारतीय अभिनेत्री देविका रानी ने भेंट की थीं। अब थोड़ा निकोलस रोरिक को याद कर लें। अपने समय का यह महान कलाकार सेंट पीटर्सबर्ग रूस में 1874 में जन्मा था। अपने देश में उसकी पहचान एक पेंटर, साहित्यकार व एक दार्शनिक चिंतक के रूप में बन चुकी थी। धीरे-धीरे उसकी जिज्ञासा अध्यात्म और रहस्यवाद की ओर बढ़ने लगी। ऐसी ही कुछ जिज्ञासाओं के समाधान की तलाश उसे भारतीय पर्वतीय प्रदेश हिमाचल ले आई। उसका नाम कई बार नोबेल पुरस्कार के लिए भी प्रस्तावित हुआ। पेंटिंग के अलावा 'आर्किटेक्चर' के क्षेत्र में भी धीरे-धीरे उसकी प्रसिद्धि विश्वभर में होने लगी। रूस और यूक्रेन की कई धार्मिक इमारतों के 'डिज़ाइन' उसी ने तैयार किए थे। 1910 के आसपास उसे भारतीय आध्यात्मिक विचारधारा 'थियोसौफी' ने आकर्षित किया। वह वेदांत के बारे में रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद के लेखों से बेहद प्रभावित हुआ। उसे श्रीमद्भगवत गीता और रवींद्रनाथ टैगोर की गीतांजली व कुछ अन्य कविताओं ने भी बेहद प्रभावित किया।

सम्पादकीय...

अनोखी दुनिया

41 साल बाद, भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा शुरू की, जिसने न केवल भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों के सपनों को भी पंख दिए। अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसा अनुभव है जो सामान्य मानवीय अनुभवों से परे है। यह न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि एक गहन व्यक्तिगत और दार्शनिक अनुभव भी है। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान कहा कि -क्या कमाल की सवारी थी! यह उत्साह और आश्चर्य उनकी भावनाओं का प्रतीक है, जो हर उस व्यक्ति के मन में कौतूहल जगाता है जो अंतरिक्ष की सैर का सपना देखता है। अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने पर सबसे पहला अनुभव शून्य गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) का होता है। शुभांशु ने इसे -शिशु की तरह चलना सीखने जैसा बताया। अंतरिक्ष यात्री को अपने शरीर को नियंत्रित करने, खाने, पढ़ने और यहां तक कि सोने के लिए भी नए तरीके सीखने पड़ते हैं। यह अनुभव चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ रोमांचक भी है। अंतरिक्ष में तैरना, जहां हर वस्तु हवा में लंगरहीन होती है, एक ऐसी अनुभूति है जो पृथ्वी पर असंभव है। इसके साथ ही अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखना एक गहन अनुभव है। नीले ग्रह की सुंदरता, बादलों की नाजुक परतें और महासागरों की विशालता अंतरिक्ष यात्रियों को प्रकृति और मानवता के प्रति गहरी जिम्मेदारी का एहसास कराती है। शुभांशु ने अपनी यात्रा के दौरान कहा, मैं दृश्यों का आनंद ले रहा हूं। यह दृश्य न केवल मनमोहक है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि हमारा ग्रह कितना नाजुक और अनमोल है। अंतरिक्ष यात्रा शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन होती है। लॉन्च के दौरान तीव्र जी-फोर्स का अनुभव, अंतरिक्ष में प्रारंभिक असुविधा और माइक्रोग्रैविटी में अनुकूलन की प्रक्रिया हर अंतरिक्ष यात्री के लिए एक कठिन परीक्षा होती है। शुभांशु ने हंसते हुए बताया कि उन्होंने अंतरिक्ष में -काफी सोया- जो उनके अनुकूलन का हिस्सा था। इसके अलावा, अंतरिक्ष स्टेशन पर लंबे समय तक रहने से मांसपेशियों का क्षय और हड्डियों की कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिनका अध्ययन इस मिशन का एक हिस्सा था। अंतरिक्ष स्टेशन पर समय केवल दृश्यों का आनंद लेने तक सीमित नहीं है। एक्सिओम-4 मिशन के दौरान शुभांशु और उनकी टीम ने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात भारत के थे। इन प्रयोगों में माइक्रोग्रैविटी में फसल बीजों का प्रभाव, मांसपेशियों के क्षय का अध्ययन और डीएनए मरम्मत जैसे विषय शामिल थे। यह कार्य न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करता है। 41 साल पहले, 1984 में, विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत यूनियन के सोयुज टी-11 मिशन के तहत अंतरिक्ष में कदम रखा था। तब से, भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन मानव अंतरिक्ष उड़ान में यह दूसरा बड़ा कदम है। शुभांशु शुक्ला की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा भारत के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। शुभांशु की एक्सिओम-4 मिशन में भागीदारी भारत के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, गगनयान (2027), के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसरो ने इस मिशन के लिए 5 अरब रुपये (59 मिलियन) का निवेश किया, ताकि शुभांशु को प्रशिक्षण और अंतरिक्ष अनुभव प्राप्त हो सके। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, इस मिशन से प्राप्त अनुभव और प्रशिक्षण भारत के लिए अभूतपूर्व लाभकारी होगा। शुभांशु का यह अनुभव गगनयान के लिए लॉन्च प्रोटोकॉल, माइक्रोग्रैविटी अनुकूलन, और आपातकालीन तैयारी में मदद करेगा। एक्सिओम-4 मिशन नासा, इसरो, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस के बीच सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह मिशन भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में इसके योगदान को दर्शाता है। पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ, यह मिशन वैश्विक एकता और साझा वैज्ञानिक लक्ष्यों का प्रतीक है। शुभांशु की यात्रा ने भारत के युवाओं में अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रति उत्साह जगाया है। लखनऊ में उनके स्कूल, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, में आयोजित वॉच पार्टी में सैकड़ों छात्रों ने उनके प्रक्षेपण को देखा और उत्साह के साथ तालियां बजाईं। इसरो ने शुभांशु के लिए भारतीय छात्रों के साथ बातचीत के आयोजन की योजना बनाई है, जो नई पीढ़ी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा। भारत ने 2035 तक अपनी अंतरिक्ष स्टेशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। शुभांशु की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन यात्रा इन लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भारत को न केवल तकनीकी रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। शुभांशु ने अपनी कक्षा से संदेश में कहा कि -मेरे कंधे पर तिरंगा मुझे बताता है कि मैं अकेला नहीं हूं, मैं आप सभी के साथ हूं। यह भावना 1.4 अरब भारतीयों के गर्व और एकता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि को 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक बताया। यह मिशन भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता का एक और प्रमाण है। अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा एक ऐसी यात्रा है जो न केवल वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देती है, बल्कि मानवता को अपनी सीमाओं से परे सोचने के लिए प्रेरित करती है। शुभांशु शुक्ला की एक्सिओम-4 मिशन में भागीदारी भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो 41 साल बाद अंतरिक्ष में देश की वापसी को चिह्नित करता है। यह मिशन न केवल गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे भविष्य के मिशनों के लिए आधार तैयार करता है, बल्कि भारत के युवाओं को सपने देखने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा भी देता है। जैसा कि शुभांशु ने कहा, यह मेरी उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जीत है। यह यात्रा भारत के अंतरिक्ष युग के नए अध्याय की शुरुआत है।

राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए

2 वर्ष पूर्व हमने देखे कि तीन-चार राज्यों के ऐसे व्यक्तियों को मुख्यमंत्री बनाया गया जो चौथी कतार में बैठे थे, सबसे बड़ी बात वर्तमान राष्ट्रपति महोदय को भी हम दूर-दूर तक नहीं जानते थे। आज जनता ऐसा बदलाव चाहती है, ताकि भारत का सर्वांगीण हिस्सा विकास हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, इस चापलूसी पर पैनी नज़र रखता हूं, व देखता हूं कि हमारी राइस सिटी गोंदिया में दो थाना क्षेत्र है, वहां जब भी नए थानेदार से लेकर एसपी तक वह एसडीओ से लेकर कलेक्टर तक पदभार संभालते हैं, तो एक समाज ग्रुप उनका जबरदस्त स्वागत करता है, व उनके फोटो निकालकर पूरे प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर प्रचारित करते हैं,यानें असल में वे यह दिखाना चाहते हैं कि देखो हमारी इतनी पहचान व रुतबा है।

वैश्विक स्तरपर राजनीतिक क्षेत्र में बहुत तेजी के साथ बदलाव होते दिख रहे है। एक जमाना था जब पंचायत समिति मेंबर से लेकर मंत्री तक चापलूसों से घिरे रहकर,जी हुजूरी का जीवन जीते थे,मगर आज ऐसादिखा तो हाई कमान बाहर का रास्ता दिखा देते है। अपने अन्य नेताओं की चापलूसी के अनेक किस्से हम इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर देख चुके है परंतु,अब ऐसा युग शुरू हो गया है कि, नेतागण जनता के साथ ईमानदार कर्मठ योग्यता के धनी कर्तव्यनिष्ठ निष्ठावान व्यक्तियों के सानिध्य में रहना जरूरी है। 2 वर्ष पूर्व हमने देखे कि तीन-चार राज्यों के ऐसे व्यक्तियों को मुख्यमंत्री बनाया गया जो चौथी कतार में बैठे थे, सबसे बड़ी बात वर्तमान राष्ट्रपति महोदय को भी हम दूर-दूर तक नहीं जानते थे। आज जनता ऐसा बदलाव चाहती है, ताकि भारत का सर्वांगीण हिस्सा विकास हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, इस चापलूसी पर पैनी नज़र रखता हूं, व देखता हूं कि हमारी राइस सिटी गोंदिया में दो थाना क्षेत्र है, वहां जब भी नए थानेदार से लेकर एसपी तक वह एसडीओ से लेकर कलेक्टर तक पदभार संभालते हैं, तो एक समाज ग्रुप उनका जबरदस्त स्वागत करता है, व उनके फोटो निकालकर पूरे प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर प्रचारित करते हैं,यानें असल में वे यह दिखाना चाहते है कि देखो हमारी इतनी पहचान व रुतबा है। मेरा मानना है कि वह ट्रांसफर पोस्टिंग तो होती रहती है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी ही है, परंतु उन अधिकारियों को संज्ञान देना चाहिए कि कहीं इनका कोई हित, स्वार्थ, चापलूसी या कोई गैर कानूनी व्यवसाय व्यापार या दलाली तो नहीं? यह पता करना उनका कर्तव्य है। ठीक वैसा ही आज समाज व आध्यात्मिक क्षेत्र में भी संज्ञान लेने की जरूरत है, ताकि इन चापलूसों को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके,जो अपने निजी स्वार्थ के लिए नेताओं, आध्यात्मिकता व सामाजिक कर्तव्यबद्ध व्यक्तियों के अपने मतलब के लिए आगे पीछे घूमते हैं।चूंकि आज आधुनिक युग में राजनीतिक सामाजिक आध्यात्मिक क्षेत्र में चापलूसों को हटाकर काबिल व टैलेंटेड साथियों को सेवाएं देना समय की मांग है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए,चौकन्नी हुई जनता, विधायक सांसद व मंत्री को टैलेंट की चौकड़ी में रहने की जरूरत है। साथियों बात अगर हम चापलूसी की करें तो,भारत में हम दैनिक दिनचर्या में राजनीतिक सामाजिक इत्यादि अनेक क्षेत्रों में चापलूस शब्द अक्सर सुनते रहते है। अधिकतम बयानबाजी में चापलूस शब्द का उल्लेख किया जाता है। अक्सर हम देखते है कि किसी भी पार्टी या सामाजिक संस्था में से अलग होने वाला नेता समाजसेवी सेवक कार्यकर्ता ऐसा जरूर बयान देता है कि पार्टी, संस्था अब चापलूसों से घिर गई है मेरा उसमें काम करना कठिन हो गया था, या फलाना हमारा लीडर चापलूस लोगों की ही सुनता है। स्वाभिमानी इंसान का वहां मूल्य नहीं! चापलूसी को झूठी प्रशंसा चाटुकारिता, मक्खनबाजी, खुशामद,बढ़ाई दिखावी आवभगत, चने के झाड़ पर चढ़ाना इत्यादि अनेक शब्दों का एक जुमला प्रसंग के रूप में परिभाषित कर सकते है। अगर हम किसी व्यक्ति की तारीफ में यही उपरोक्त शब्दों को एकीकृत कर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं तो हमें अप्रत्यक्ष रूप से चापलूस बाज कहा जा सकता है। जबकि पूरी पारदर्शिता, सौ बात की एक बात, कड़वी सच्चाई, मुंह पर बोलना, बिना लाग लपेट के बोलना इत्यादि गुणों वाले व्यक्ति को स्वाभिमानी की संज्ञा दी जाती है और यह व्यक्तित्व चाटुकारिता पर सेर पर सवा सेर साबित होता है क्योंकि बड़े बुजुर्गों ने भी कहा है सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से!

हालांकि कुछ अपवाद छोड़ दें तो वर्तमान परिस्थितियों में खासकर कुछएक खास क्षेत्रों में चापलूसी करना अधिक फायदेमंद होती जा रही है क्योंकि आज पारदर्शी व्यक्तित्व कड़वी सच्चाई आदि गुणों वाले व्यक्तित्व को उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत ने घेर लिया जाता है याने चापलूसी उस पारदर्शी व्यक्तित्व को चापलूस बताने में आगे होते है ऐसा मेरा मानना है। साथियों बात अगर हम चापलूसी और स्वाभिमानी की करें तो, वर्तमान दौर में चाहे वह क्लब हो या दफ्तर हो और तो और घर क्यों न हो सब जगह चाटुकारिता संस्कृति ने अपना शिकंजा कसा हुआ है।लोग ईमानियत भूलकर चाटुकारिता को अपना रहे है। वैसे भी देखा जाये तो चापलूसी भी एक प्रकार का कला है जो स्वाभिमानी इंसान कभी भी सीख नहीं सकेगा और न ही सीखने की कोशिश करेगा इसके विपरीत स्वाभिमानी होना बहुत बड़ी कला है जो चापलूस इंसान कभी बन ही नहीं सकता चाहे लाख कोशिश भी कर ले क्योंकि उसके रगों में स्वाभिमानी व्यक्ति का खून दौड़ रहा होता है। आज हर क्षेत्र में चापलूसों का बोलबाला है। चाहे वह क्लब हो या अन्य दफ्तर हो या यूनियन हो सभी जगह इनके जैसे लोगों का बोलबाला दिखता है। ये चापलूस ऐसे जीव है जो आत्मग्लानि का बोध करा देते है, झूठी प्रशंसा का पहाड़ खड़ा कर, फिर उस में मोटेमोटे छेद कर देते है, अब झेलते रहो हम मिट्टी को। सत्ता बदलते ही चापलूसों का दल बदल जाता है। यानी जिसकी लाठी उस की भैंस,चापलूस उसी के पीछे जा कर खड़ा होगा जिस की हैसियत होगी। सम्मान जताने के लिए चापलूसों के हाथ हमेशा जुड़े रहते है और कमर झुकने को यों आतुर रहती है मानो रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है।

शर्म को तो मुस्कराहट ये गोलगप्पे के पानी में घोल कर पी जाते हैं,जब ये चलते है तो अपने हाथ में पकड़े झोले में दोचार जुमले डालना नहीं भूलते। साथियों बिना किसी डिग्री और ट्रेनिंग के चापलूसी की कला में महारत हासिल करने के लिए सिर्फ थोड़ी बेशर्मी भरी हंसी और काम के आदमी के सामने जीभ लपलपा देना काफी है, फिर देखिए, सामने वाला कैसे हथियार डालता है हमारे सामने, आखिर नेता, अभिनेता से ले कर आम इंसान तक, चापलूसी किसे नहीं भाती भाई, बिना किसी डिग्री और ट्रेनिंग के चापलूसी की कला में महारत हासिल करने के लिए सिर्फ थोड़ी बेशर्मी भरी हंसी और काम के आदमी के सामने जीभ लपलपा देना काफी है, फिर देखिए, सामने वाला कैसे हथियार डालता है आप के सामने, आखिर नेता, अभिनेता से ले कर आम इंसान तक को, चापलूसी किसे नहीं भाती।

साथियों बात अगर हम स्वाभिमानी व्यक्तियों की करें तो, आत्म-सम्मान के स्वस्थ स्तर वाले लोग। कुछ मूल्यों और सिद्धांतों में दृढ़ता से विश्वास करते हैं, और विरोध मिलने पर भी उनका बचाव करने के लिए तैयार हैं, अनुभव के आलोक में उन्हें संशोधित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षित महसूस करते है। जो उन्हें सबसे अच्छा विकल्प लगता है, उसके अनुसार कार्य करने में सक्षम है, अपने स्वयं के निर्णय पर भरोसा करते है, और जब दूसरों को उनकी पसंद पसंद नहीं है तो दोषी महसूस नहीं करते है। अतीत में क्या हुआ, और भविष्य में क्या हो सकता है, इस बारे में अत्यधिक चिंता करने में समय न गंवाएं। वे अतीत से सीखते हैं और भविष्य की योजना बनाते है, लेकिन वर्तमान में तीव्रता से जीते है।असफलताओं और कठिनाइयों के बाद झिझकते नहीं,समस्याओं को हल करने की उनकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। जरूरत पड़ने पर वे दूसरों से मदद मांगते है।कुछ प्रतिभाओं, व्यक्तिगत प्रतिष्ठा या वित्तीय स्थिति में अंतर को स्वीकार करते हुए, खुद को हीन या श्रेष्ठ के बजाय दूसरों के लिए समान समझें।समझें कि वे दूसरों के लिए एक दिलचस्प और मूल्यवान व्यक्ति कैसे है, कम से कम उनके लिए जिनके साथ उनकी दोस्ती है।हेरफेर का विरोध करें, दूसरों के साथ तभी सहयोग करें जब यह उचित और सुविधाजनक लगे।विभिन्न आंतरिक भावनाओं और ड्राइव को स्वीकार करें और स्वीकार करें, या तो सकारात्मक या नकारात्मक, उन ड्राइव को दूसरों के सामने तभी प्रकट करें जब वे चुनते है।विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आनंद लेने में सक्षम है। दूसरों की भावनाओं और जरूरतों के प्रति संवेदनशील है, आम तौर पर स्वीकृत सामाजिक नियमों का सम्मान करते है, और दूसरों के खर्च पर समृद्ध होने के अधिकार या इच्छा का दावा नहीं करते है। चुनौतियों के आने पर खुद को या दूसरों को नीचा दिखाए बिना समाधान खोजने और असंतोष की आवाज उठाने की दिशा में काम कर सकते हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए- चौकन्नी हुई जनता-विधायक सांसद व मंत्री को अब टैलेंट चौकड़ी में दिखना बेहतर रहेगा। चापलूसी अस्त्र बनाम हुनर व योग्यता का अस्त्र-अगर पल भर को भी मैं, बे-ज़मीर बन जाता, यकीन मानिए मैं कब का अमीर बन जाताआधुनिक युग में राजनीतिक सामाजिक आध्यात्मिक क्षेत्रों में चापलूसों को हटाकर काबिल व टैलेंट साथियों को सेवाएं लेना समय की मांग है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग तकनीकी बनाम उन्नत अपडेट तेजी से परिष्कृत होते साइबर हमले व धोखाधड़ी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां के आधुनिक प्रौद्योगिकी के बढ़ते क्रम में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ रहे है, जो बैंक अकाउंट साइबर क्राइम से बहुत आगे बढ़कर अबव्हाट्सएप मेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित अनेकों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच गए है, तो इधर किसी लिंक पर क्लिक किया उधर आप साइबर क्राइम का शिकार हुए, जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही है, जिसका संज्ञान लेकर अब यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स भी चौकन्ने हो गए है, थोड़ा सा भी डाउट हुआ या ब्रिच ऑफ़ टर्म एंड कंडीशन हुए, तो तुरंत वह मीडिया प्लेटफॉर्म लॉक कर दिया जाता है।अभी अनेकों लोगों के व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम अकाउंट लॉक कर दिए गए हैं जिस पर ब्रिच आफ टर्म्स एंड कंडीशंस लिखकर आ रहे है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र इस आर्टिकल के माध्यम से पूरी दुनियां के मीडिया प्लेटफॉर्म्स के उपयोगकर्ताओं से अपील करना चाहता हूं कि अपने इंस्ट्रूमेंट का अति सावधानी से उपयोग करें, जिसके बारे में नीचे पैराग्राफ में चर्चा की गई है।हमारा व्हाट्सएप फेसबुक एक्समीडिया प्लेटफॉर्म भी बंद कर दिया जा सकता है, जिसमें हमारे बहुमूल्य डाटा या ग्रुप होते हैं,नया नंबर लेकर के वह प्लेटफॉर्म तो चालू किया जा सकता है परंतु उसके सारे डेटा उड़ जाते है,, इसलिए हमें साइबर क्राइम वालों को कोई मौका नहीं देना है और बहुत ही सावधानी के साथ अपने इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना है।चूंकि पूरे विश्व के लिए साइबर अपराधों से जुड़ी कुल लागत और जोखिम का लगातार बढ़ना एक चुनौती है तथा उससे निपटने तात्कालिक अपडेट की आवश्यकता बढ़ गई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग तकनीकी बनाम उन्नत अपडेट तेजी से परिष्कृत होते साइबर क्राइम व धोखाधड़ी होने की संभावना है। साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ने की करें तो, कई ऐसे मामले सामने आए हैं,जिसमें नकली पुलिस, सीबीआई ऑफिसर बनकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट किया गया और लाखों रुपये ठग लिए गए, इंटरनेट पर स्टोर जानकारी को एक्सेस करके ठग, लोगों को अपना शिकार बना रहे है। हालांकि,जिन लोगों के पास इंटरनेट नहीं है उनको भी ठग अपना शिकार बना ले रहे है। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना इंटरनेट के उनके पास हमारी जानकारी कैसे है?आज के दौर में अगर हम खुद को सुरक्षित नहीं रखते तो हम साइबर ठगी के शिकार हो सकते हैं।हम इससे बचने के लिए अगर ईमेल या किसी ऑनलाइन सर्विस का यूज कर रहे है तो कोशिश करें कि उसका पासवर्ड काफी मजबूत हो, गलती से भी अपने नाम, मोबाइल नम्बर या डेट ऑफ बर्थ को पासवर्ड न रखें, कोशिश करें कि हमेशा2-फैक्टरऑथेंटिकेशन का इस्तेमाल करें,अगर हमको कोई अनजान मेल या मैसेज आता है और उसमें कोई लिंक दिया गया है तो गलती से भी उसको खोलने की कोशिश न करें, अपने फोन को हमेशा अपडेट रखें,अगर कोई सिक्योरिटी फीचर अपडेट आता है तो उसको जरूर करें, इससे हमारा फोन सुरक्षित रहता है।अगर हम इंटरनेट यूज नहीं करते है तो भी ठग आराम से हमको शिकार बना सकते हैं,दरअसल, इसके लिए ये हमारे डेटा को दूसरी जगह से उठाते हैं, इसमें ये सोशल साइट्स, अस्पताल, दुकान या फिर सरकारी ऑफिस आदि जगहों से डेटा लीक करते है या फिर किसी तरह निकालते है, फिर इस डेटा का इस्तेमाल करके हमारे साथ ठगी के लिए करते हैं, कई लोगों का डेटा उनके किसी रिलेटिव के फोन से भी निकाल लिया जाता है। जो बेहद गंभीर बात है। साथियों बात अगर हम आरबी आई की रिपोर्ट में वित्तवर्ष 2024-25 में धोखाधड़ी के मामले घटने परंतु धोखाधड़ी की रकम तीन गुना बढ़ने की करें तो, धोखाधड़ी के अधिकांश मामले डिजिटल भुगतान से जुड़े है आरबीआई की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार बैंकों से जुड़े धोखाधड़ी के कुल 23, 953 मामले सामने आए, जो 2023-24 की तुलना में 34 प्रतिशत कम रहे।किंतु2024-25 में 36,014 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई और यह रकम उससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 3 गुना अधिक रही।इसके दो मुख्य कारण रहे। पहला, उससे पिछले वित्त वर्ष में 18,674 करोड़ रुपये के 122 मामलों को धोखाधड़ी की श्रेणी से हटा दिया गया और दोबारा जांच के बाद इस वित्त वर्ष में फिर से उनकी शिकायत की गई। दूसरा, उच्चतम न्यायालय के 27 मार्च, 2023 के फैसले का अनुपालन सुनिश्चित किया गया। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में 1 लाख रुपये और उससे अधिक की धोखाधड़ी के मामले शामिल किए गए है। इसमें वे मामले भी हो सकते हैं, जिनमें धोखाधड़ी कई साल पहले हुई थी मगर शिकायत इस साल दर्ज कराई गई थी। केंद्रीय बैंक के आंकड़े बताते हैं कि पिछले वित्त वर्ष में धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले निजी क्षेत्र के बैंकों ने आए। उन बैंकों में धोखाधड़ी के 14,233 मामले सामने आए है, जो बैंकिंग क्षेत्र में कुल धोखाधड़ी के 59.4 प्रतिशत है।सरकारी बैंकों की तुलना में ये बहुत अधिक है। सरकारी बैंकों में धोखाधड़ी के केवल 6,935 मामले आए,जो कुल मामलों के 29 प्रतिशत ही रहे।किंतुसरकारी बैंकों में 25,667 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई, जो इस तरह के मामलों में शामिल रकम की कुल 71.3 प्रतिशत है। निजी क्षेत्र के बैंकों में कुल 10,088 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई है। रिजर्व बैंक ने रिपोर्ट में कहा, "बैंक समूह के मुताबिक देखें तो पिछले 3 वर्षों में निजी क्षेत्र के बैंकों में सबसे अधिक धोखाधड़ी हुई मगर सबसे ज्यादा रकम की धोखाधड़ी सरकारी बैंकों में दिखी।रिजर्व बैंक के अनुसार संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा धोखाधड़ी डिजिटल भुगतान (कार्ड/इंटरनेट) में हुई, जबकि रकम के हिसाब से ऋण श्रेणी में सबसे ज्यादा धोखाधड़ी रही। कार्ड/इंटरनेट धोखाधड़ी के मामले निजी क्षेत्र के बैंकों में ज्यादा आए हैं, जबकि सरकारी बैंकों में कर्ज लेने में धोखाधड़ी ज्यादा की गई है। साथियों बात अगर हमसीबीआई के अभियान ऑपरेशन चक्र-5 की करें तो,सीबीआई ने साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के मामलों से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों के क्रम में, साइबर धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए जा रहे खच्चर बैंक खातों के संबंध में पांच राज्यों में 42 स्थानों पर देशव्यापी तलाशी शुरू की है।

खच्चर खाता वह बैंक खाता है जिसका उपयोग अवैध गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए किया जाता है।यह अभियान ऑपरेशन चक्र-5 के तहत पांच राज्यों राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में चलाया गया। जांच में पता चला है कि देश भर में विभिन्न बैंकों की सात सौ से अधिक शाखाओं ने लगभग साढ़े आठ लाख खच्चर खाते खोले हैं। एजेंसी ने बताया कि ये खाते या तो उचित केवाईसी मानदंडों या प्रारंभिक जोखिम मूल्यांकन के बिना खोले गए थे।तलाशी के दौरान,कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य, मोबाइल फोन, बैंक खाता खोलने के दस्तावेज, लेन-देन विवरण, केवाईसी दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सीबीआई ने खच्चर बैंक खाते खोलने के संचालन और सुविधा में उनकी संलिप्तता के लिए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस पूरी कार्रवाई में बिचौलिए, एजेंट, खाताधारक और बैंककर्मी शामिल है। साथियों बात अगर हम साइबर क्राइम को समझने की करें तो,साइबर अपराध एक सामान्य शब्द है जो कंप्यूटर, नेटवर्क या डिजिटल उपकरणों के किसी अन्य सेट का उपयोग करके की जाने वाली असंख्य आपराधिक गतिविधियों का वर्णन करता है। साइबर अपराध को साइबर अपराधियों द्वारा की जानेवाली अवैध गतिविधियों की विशाल श्रृंखला के अंतर्गत माना जाता है।इनमें हैकिंग फिशिंग, पहचान की चोरी , रैनसमवेयर और मैलवेयर हमले, कई अन्य शामिल है। साइबर अपराध की पहुंच कोई भौतिक सीमा नहीं जानती। अपराधी, पीड़ित और तकनीकी अवसंरचना दुनिया भर में फैली हुई है।व्यक्तिगत और उद्यम स्तर पर सुरक्षा कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ, साइबर अपराध कई रूप लेता है और लगातार विकसित होता रहता है। बदले में, साइबर अपराधों की प्रभावी जांच, मुकदमा चलाने और उन्हें रोकने की क्षमता कई गतिशील चुनौतियों के साथ एक सतत लड़ाई है।साइबर अपराध व्यक्तियों, व्यवसायों और सरकारी संस्थाओं के लिए एक गंभीर खतरा है और इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान, प्रतिष्ठा को नुकसान और रिकॉर्ड से समझौता हो सकता है। जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ती है और अधिक से अधिक लोग मानक संचालन के लिए डिजिटल उपकरणों और नेटवर्क पर निर्भर होते हैं,साइबर अपराध का खतरा बढ़ता जा रहा है, जिससे इससे बचाव के लिए कदम उठाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। वायरस के उदाहरणों में मेलिसा, आईलवयू और निमडा वायरस शामिल है - ये सभी फाइलों को संक्रमित करने और कंप्यूटर सिस्टम को नुकसान पहुँचाने के लिए तेजी से फैलते हैं। इसके अनेक उदाहरण यह भी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/[illegible])

ट्रंप की सख्ती के बाद बैकफुट पर कनाडा: डिजिटल सेवा कर पर यू-टर्न, कार्नी बोले- अमेरिका से व्यापार वार्ता बहाल

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा की ओर से अमेरिकी प्रौद्योगिकी फर्मों पर कर लगाने की योजना वापस लेने के बाद अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू हो गई है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि वह कनाडा के साथ व्यापार वार्ता को निलंबित कर रहे हैं, क्योंकि टोरंटो प्रौद्योगिकी फर्मों पर कर लगाने की अपनी योजना को जारी रखे हुए है। ट्रंप ने इसे अमेरिका पर सीधा हमला करार दिया था। अब कनाडाई सरकार ने कहा कि व्यापार समझौते को देखते हुए कनाडा डिजिटल सेवा कर को वापस ले लेगा। कार्नी के कार्यालय ने कहा कि कार्नी और ट्रंप ने वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने पिछले शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया नेटवर्क पर एक पोस्ट में कहा था कि कनाडा ने अमेरिका को बताया है कि वह डिजिटल सेवा कर लगाने की अपनी योजना पर कायम है, जो कनाडा में ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं के साथ जुड़ने वाले कनाडाई और विदेशी व्यवसायों पर लागू होता है। यह कर सोमवार से लागू होना था । कार्नी ने एक बयान में कहा, आज का एलान 21 जुलाई, 2025 की समयसीमा के हिसाब से वार्ता को फिर से शुरू करने में मदद करेगी, जिसे इस महीने केनानास्किस में जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में तय किया गया था। इससे पहले मई में कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी, जहां वे विनम्र दिखाई दिए थे, लेकिन उनके इरादे दृढ़ थे। इसके बाद ट्रंप अल्बर्टा में जी7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा गए, जहां कार्नी ने कहा कि कनाडा और अमेरिका ने व्यापार वार्ता के लिए 30 दिन की समय सीमा तय की है।

डिजिटल सेवा कर क्या है?

डिजिटल सेवा कर की वजह से अमेजन, गूगल, मेटा, उबर और एयरबीएनबी जैसी कंपनियों पर कनाडाई उपयोगकर्ताओं से होने वाले राजस्व पर 3 प्रतिशत का कर लगना था।

यह पूर्वव्यापी रूप से लागू होता, जिससे अमेरिकी कंपनियों को महीने के अंत में 2 बिलियन अमरीकी डॉलर का बिल देना पड़ता। कनाडा के वित्त मंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप शैम्पेन ने एक बयान में कहा, डिजिटल सेवा कर को समाप्त करने से अमेरिका के साथ एक नए आर्थिक और सुरक्षा संबंधों की बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

कनाडा और अमेरिका के रिश्ते उतार-चढ़ाव वाले

कनाडा और अमेरिका के रिश्ते ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने देश के उत्तरी पड़ोसी पर बार-बार कटाक्ष किया और सुझाव दिया कि कनाडा को अमेरिकी राज्य के रूप में शामिल किया जाए। इसके बाद कनाडा को भारी अमेरिकी टैरिफ की मार झेलनी पड़ी। ट्रंप ने स्टील और एल्युमिनियम पर 50 प्रतिशत और ऑटो पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया। वह अधिकांश देशों से आयात पर 10 प्रतिशत कर भी लगा रहे हैं। हालांकि, टैरिफ पर फिलहाल 9 जुलाई तक की रोक है। फिर भी कनाडा और मैक्सिको को 25 प्रतिशत तक के अलग-अलग टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

एक नजर

रुपये की मजबूती के आगे अमेरिकी डॉलर का सरेंडर

बिजनेस डेस्क । क्रूड ऑयल की कीमत में नरमी के बीच भारतीय रुपये के सामने लगातार अमेरिकी डॉलर कमजोर पड़ता हुआ दिख रहा है। सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान रुपये छह पैसे मजबूत होकर 85.44 प्रति डॉलर पर आ गया. इंटर बैंकिंग फॉरेन करेंसी एक्सचेंज में डॉलर की तुलना में रुपये 85.48 के भाव पर जाकर खुला. फॉरेक्स ट्रेडर्स का कहना है कि अमेरिकी डॉलर ओवरसीज मार्केट में कमजोर पड़ गया है और ये 97 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. जबकि मध्य पूर्व में तनाव में आयी कमी के बाद ओपेक प्लस समूह की तरफ से अगस्त में तेल की सप्लाई बढ़ने की उम्मीद के बीच ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत घटकर 67 डॉलर पर आ गई है. ईरान और इजरायल में संघर्षविराम की खबर ने तेल बाजार को जबरदस्त राहत पहुंचायी है. इसके बाद क्रूड ऑयल की कीमत जहां एक तरफ गिरी है तो वहीं दूसरी तरफ डॉलर की मांग में कमी की वजह से इसकी वैल्यू में भी गिरावट आयी है. इंटरनेशनल स्टैंडर्ड ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत लुढ़क कर 67.65 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,397.02 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे.

सिर्फ आधी कंपनियों को ही मिला दूरसंचार विनिर्माण प्रोत्साहन, 31 मार्च तक 1162 करोड़ रुपये का वितरण

नई दिल्ली । दूरसंचार विनिर्माण से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत पात्र 42 कंपनियों में सिर्फ 21 को ही 31 मार्च, 2025 तक प्रोत्साहन मिला है। वहीं, दो कंपनियों कोरल टेलीकॉम लि. और अल्फियन इंडिया प्राइवेट लि. के आवेदन को पात्रता सीमा मानदंड को पूरा नहीं करने के कारण खारिज कर दिया। लाभार्थियों में से एक ने कहा, कुछ दूरसंचार गियर निर्माता सिर्फ आयातित उत्पादों को अपना लेबल लगाकर बेच रहे थे, जिससे पीएलआई योजना के तहत उत्पादन और मार्जिन प्रभावित हो रहे थे। ब्रॉडबैंड गियर निर्माता के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, योजना की मंशा को प्रभावित करने वाली ऐसी अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी जरूरी है। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में दूरसंचार विभाग ने कहा, 31 मार्च तक योजना के तहत कुल 1,162.03 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन जारी किया गया है। इस योजना के तहत कुल 4,115 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन निर्धारित किया था। योजना अवधि के दौरान 2.45 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बिक्री और 44,000 से अधिक अतिरिक्त रोजगार सृजित होने का अनुमान है। विनिर्माण?को प्रोत्साहन देने के लिए दूरसंचार पीएलआई योजना एक अप्रैल, 2021 को लागू हुई थी और यह चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक चलने वाली है।

टॉप अफसरों के इस्तीफे से इस बैंक का शेयर हुआ क्रैश, निवेशकों को लगा बड़ा झटका

बिजनेस डेस्क । प्राइवेट सेक्टर के प्रमुख कर्नाटक बैंक को सोमवार को बड़ा झटका लगा, जब इसके दो शीर्ष अधिकारियों—मैनेजिंग डायरेक्टर और एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर—ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। इस खबर के बाजार में आते ही निवेशकों की बेचैनी बढ़ गई और बैंक के शेयरों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। बीएसई पर कर्नाटक बैंक का शेयर 7 फीसदी से अधिक टूटकर 192.75 रुपए तक जा पहुंचा, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ श्रीकृष्णन हरि हारा सरमा और एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर शेखर राव ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। सरमा का इस्तीफा 15 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा, जबकि राव 31 जुलाई 2025 तक अपने पद पर बने रहेंगे। बैंक द्वारा जारी बयान के अनुसार, श्रीकृष्णन हरि हारा सरमा ने मुंबई में पुनः स्थानांतरण को कारण बताया है, वहीं शेखर राव ने मंगलुरु शिफ्ट न हो पाने और अन्य व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। बैंक ने बताया है कि दोनों पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों की तलाश के लिए एक सर्च कमेटी का गठन कर दिया गया है। इसके अलावा, बैंक ने एक वरिष्ठ अनुभवी बैंकर को चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया है, जो 2 जुलाई से कार्यभार संभालेंगे। हालांकि, बैंक ने अभी नए सीईओ का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। कर्नाटक बैंक का शेयर 52 हफ्तों में 245 रुपए के उच्चतम स्तर और 162.20 रुपए के न्यूनतम स्तर को छू चुका है। बीते पांच वर्षों में बैंक के शेयरों ने 355फीसदी का रिटर्न दिया है लेकिन पिछले एक साल में यह 13फीसदी तक गिर चुका है।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी, चेक करें MCX पर आज के भाव

बिजनेस डेस्क । सोने-चांदी के वायदा में सोमवार (30 जून) को मामूली तेजी देखने को मिल रही है। खबर लिखे जाने के समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,600 रुपए, जबकि चांदी के भाव 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 1,05,330 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव तेजी, जबकि चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के भाव बाद में सुधर गए। सोना 3,284.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,287.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 2.60 डॉलर की तेजी के साथ 3,290.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। चांदी के वायदा भाव 35.89 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 36.03 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.13 डॉलर की गिरावट के साथ 35.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रिलायंस में कितनी मिलती है अनंत अंबानी को सैलरी? साथ में मिलेंगी एक से बढ़कर एक सुविधाएं

बिजनेस डेस्क । भारत के सबसे बड़े अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी मई में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर चुने गए, 1 मई, 2025 से शुरू हुए उनके इस नए सफर का कार्यकाल पांच साल के लिए है. अनंत इससे पहले रिलायंस के बोर्ड में नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहे थे और अब उन्हें कंपनी के फुल-टाइम डायरेक्टर्स में से एक चुना गया, लेकिन क्या आपको पता है कि उन्हें इस काम के लिए हर महीने कितनी सैलरी मिलती है? बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के तौर पर अनंत को हर साल 10 से 12 करोड़ रुपये की सैलरी मिलेगी. इतना ही नहीं, कंपनी के मुनाफे में भी उनका कमीशन होगा. साथ ही कई और तरह की भी सुविधाएं मिलेंगी. कंपनी ने यह भी बताया कि अनंत का एनुअल इंक्रीमेंट रिलायंस की HRNR कमेटी तय करेगी. रिलायंस ने BSE फाइलिंग में जानकारी दी कि अनंत की सैलरी और भत्ते 10 करोड़ से 20 करोड़ रुपये के रेंज में होगी. अन्य सुविधाओं में हाउस रेंट अलाउंस, हाउस मेन्टेनेंस अलाउंस, गैस, बिजली, पानी के लिए भत्ते जैसी सुविधाएं मिलेंगी. इतना ही नहीं, बिजनेस ट्रिप के दौरान अनंत को अपने और अपनी पत्नी के साथ-साथ असिस्टेंट्स के लिए भी रहने, खाने-पीने और आने-जाने का खर्चा मिलेगा. कंपनी घर पर उनके कम्युनिकेशंस का भी खर्चा उठाएगी. इसके अलावा, मेडिकल ट्रीटमेंट के साथ कंपनी की तरफ से उनके और उनके परिवार के लिए सिक्योरिटी की भी व्यवस्था की जाएगी. अनंत अंबानी रिलायंस के कई दूसरे वर्टिकल्स से भी जुड़े हुए है जैसे कि मार्च 2020 से वह जियो प्लेटफॉर्म, मई 2022 से रिलायंस रिटेल वेंचर्स, जून 2021 से रिलायंस न्यू एनर्जी और रिलायंस न्यू सोलर एनर्जी के बोर्ड में शामिल है. वह साल 2022 से रिलायंस फाउंडेशन बोर्ड के भी सदस्य हैं. अनंत ने अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटीज से ग्रेजुएशन की पढ़ाई की है.

भारत में टेक स्टार्टअप्स फिर पकड़ रहे रफ्तार, बढ़ रही हायरिंग और फंडिंग की उम्मीद

बिजनेस डेस्क ।

भारत के टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम में सुस्ती के बाद अब फिर से धीरे-धीरे संभावनाओं की बहाली दिखने लगी है। जहां पिछले वित्त वर्ष में फंडिंग में गिरावट ने हायरिंग को प्रभावित किया था, वहीं वित्त वर्ष 2026 में टेक स्टार्टअप्स में कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 6.7 लाख तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 में 5.9 लाख था। स्टाफिंग फर्म Xpheno के अनुसार, भले ही नियुक्तियों में कोई बड़ा उछाल न हो लेकिन मौजूदा ट्रेंड स्थिरता के साथ हल्की तेजी की ओर इशारा कर रहा है। FY25 में कुल 0.6 लाख की शुद्ध नियुक्ति हुई थी, जबकि FY26 में 0.8 लाख की शुद्ध वृद्धि की संभावना है। इस हायरिंग ग्रोथ में सबसे अधिक योगदान क्विक कॉमर्स, ई-रिटेल, फिनटेक, पेमेंट, लेंडिंग और एफएमसीजी रिटेल स्टार्टअप्स से आने की उम्मीद है। Xpheno के को-फाउंडर अनिल एथनूर के अनुसार, ये सेक्टर टेक स्टार्टअप्स के लिए हायरिंग ग्रोथ के प्रमुख इंजन बन सकते हैं। TeamLease Services की एम्प्लॉयमेंट आउटलुक रिपोर्ट बताती है कि ई-कॉमर्स और टेक स्टार्टअप क्षेत्रों में 69फीसदी नियोक्ता वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में हायरिंग की योजना बना रहे हैं। इस ग्रोथ को AI-संचालित प्रोडक्ट स्केलिंग, ग्रोथ मार्केटिंग और क्लाउड-नेटिव इंजीनियरिंग जैसी तकनीकों से बल मिल रहा है। हायरिंग में तेजी का एक बड़ा कारण इस साल त्योहारी सीजन का जल्दी शुरू होना भी है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स दिग्गज पहले से ही अपनी लॉजिस्टिक और टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रही हैं ताकि मांग को समय पर पूरा किया जा सके। TeamLease Services के CEO (स्टाफिंग) कार्तिक नारायण ने कहा, सतर्क आर्थिक माहौल के बावजूद भारतीय टेक स्टार्टअप्स अब आक्रामक विस्तार की जगह टिकाऊ और मूल्य-संचालित बिजनेस मॉडल पर फोकस कर रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बनी सहमति; ट्रंप की समयसीमा से एक दिन पहले हो सकता है एलान

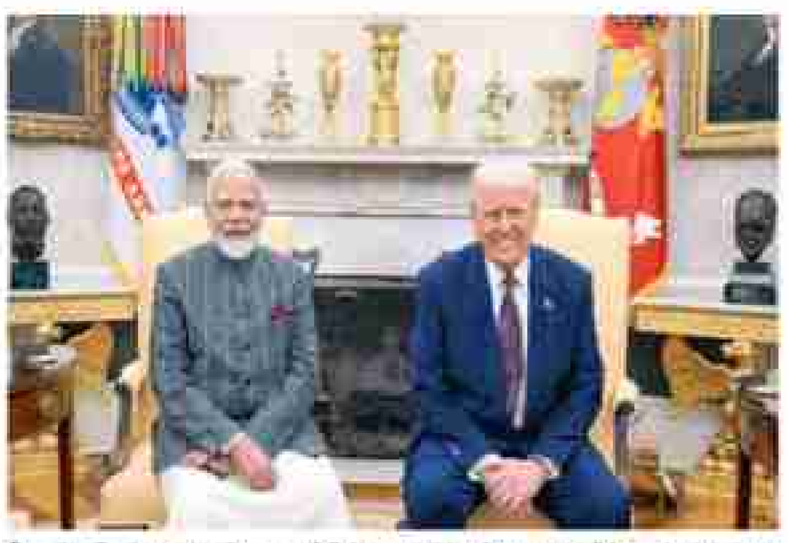

नई दिल्ली । भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। एक ओर दुनियाभर में दहशत है कि टैरिफ को लेकर ट्रंप अपनी नौ जुलाई की समयसीमा के बाद क्या करेंगे? वहीं दूसरी ओर अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की सभी शर्तों पर सहमति बन गई है। बताया जा रहा है कि इस समझौते का औपचारिक एलान ट्रंप की समयसीमा से एक दिन पहले आठ जुलाई को हो सकता है। इस समझौते के लिए भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक दल वॉशिंगटन में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ को निलंबित किए जाने की समयसीमा नौ जुलाई को समाप्त हो रही है। इसे लेकर दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ हुई है। शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि नौ जुलाई के बाद वैश्विक टैरिफ से राहत नहीं मिलेगी। इसके बाद वह अधिकांश देशों पर टैरिफ पर 90 दिवसीय रोक को बढ़ाने की योजना नहीं बना रहे हैं। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका समय सीमा समाप्त होने से पहले देशों को पत्र भेजेगा, जिसमें लिखा होगा कि हम आपको अमेरिका में खरीदारी करने की अनुमति दे रहे हैं, आपको 25, 35, 50 या 10 फीसदी टैरिफ देना होगा। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कौन-सा देश हमें अच्छा या बुरा ट्रीट करता है। कुछ देशों से हमें फर्क नहीं पड़ता, उन्हें बस ज्यादा टैक्स देना होगा।अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामानों पर 26 फीसदी अतिरिक्त कर (टैरिफ) लगाने का एलान किया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। हालांकि, 10 फीसदी का मूल टैक्स अभी भी लागू है। भारत चाहता है कि उसे इस 26 फीसदी अतिरिक्त कर से पूरी तरह छूट मिल जाए। भारत चाहता है कि प्रस्तावित 26 फीसदी शुल्क वापस लिया जाए और स्टील व ऑटो पार्ट्स पर पहले से लगे अमेरिकी शुल्कों में छूट मिले। मगर अमेरिका पहले भारत से सोयाबीन, मक्का, कार और शराब पर आयात शुल्क घटाने और गैर-शुल्क बाधाओं को आसान करने की प्रतिबद्धता चाहता है। कथित तौर पर समझौते के लिए बातचीत का मकसद दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। 10 जून को वार्ता समाप्त होने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत और अमेरिका एक निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौते पर बातचीत करने की प्रक्रिया में है, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप फरवरी 2025 में मिले, हमारे दोनों नेताओं ने एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते में प्रवेश करने का फैसला किया है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं, दोनों पक्षों के व्यवसायों और दोनों देशों के लोगों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा। हम व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा, निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित समझौता करने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

विदेशी निवेशकों की वापसी से घरेलू शेयर बाजार में लौटी तेजी; चार माह में 76 लाख करोड़ बढ़ी पूंजी

नई दिल्ली । विदेशी निवेशकों की वापसी के दम पर घरेलू शेयर बाजार अक्तूबर से जारी गिरावट से अब पूरी तरह उबर चुका है। बाजार अपने रिकॉर्ड स्तर से दो फीसदी से भी कम दूर है। पिछले चार महीने में ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई सेंसेक्स ने 15 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस दौरान निवेशकों की पूंजी 76 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, सेंसेक्स पिछले साल सितंबर में 85,836 के शीर्ष स्तर पर था, जो अब इसके करीब है। इस साल फरवरी तक बाजार में भारी गिरावट रही थी और सेंसेक्स 73,000 से नीचे चला गया था। लेकिन, मार्च की शुरुआत से इसमें तेजी आनी शुरू हो गई। 2 मार्च को सेंसेक्स 73,085 पर था और 27 जून को बढ़कर 84,058 पर पहुंच गया। यानी 15 फीसदी का रिटर्न। पूंजीकरण के लिहाज से देखें तो 2 मार्च को सूचीबद्ध कंपनियों की बाजार पूंजी 384 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब 460 लाख करोड़ रुपये हो गई है। एक जनवरी से अब तक सेंसेक्स ने सिर्फ 7 फीसदी का रिटर्न दिया है और पूंजी 36 लाख करोड़ रुपये बढ़ी है। विदेशी निवेशकों ने जनवरी में शेयर बाजार से 78,027 करोड़ व फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे। पर, उसके बाद निकासी की रफ्तार धीमी हो गई। मार्च में जरूर 3,973 करोड़ रुपये निकाले, पर अप्रैल में 4,223 करोड़, मई में 19,860 करोड़ व जून में 8,915 करोड़ रुपये का निवेश किया। यही कारण है कि घरेलू बाजार फिर से रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंच गए। जून में कुल 17,688 करोड़ रुपये के आईपीओ आए। बाजार की तेजी का असर है कि निवेशकों ने इसमें 1.8 लाख करोड़ रुपये लगा दिए। इसमें से पिछले 5 दिन में ही पांच आईपीओ ने 90 फीसदी रकम जुटाई। इनमें एचडीबी फाइनेंशियल, कल्पतरू, एलनबैरी, संभव स्टील और ग्लोब सिविल रहे। जुलाई में 16,000 करोड़ के आईपीओ की मंजूरी खत्म हो जाएगी। ऐसे में जुलाई आईपीओ के लिए एक और हिट महीना साबित होगा। एचडीबी का 12,500 करोड़ का इश्यू चार साल का हिट रहा। 13 करोड़ शेयरों को जारी किया था। 200 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। एचडीबी शेयरों को 15 गुना से अधिक मांग रही।

इससे पहले इटरनल यानी जोमैटो के 10,400 करोड़ के आईपीओ को 29 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। टाटा कैपिटल और एलजी भी बड़े आईपीओ होंगे जो इसी साल आएंगे। दोनों मिलकर 30,000 करोड़ जुटा सकते हैं। बाजार में सूचीबद्ध शीर्ष 9 कंपनियों की पूंजी पिछले हफ्ते 2.34 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,651 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ।

बैंक शेयरों में गिरावट से बाजार में चार दिन की तेजी थमी; सपाट शुरुआत के बाद गिरे सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, थोड़ी देर में ही बाजार लाल निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 182.77 अंक गिरकर 83,876.13 पर और निफ्टी 46.25 अंक गिरकर 25,591.55 पर पहुंच गया। फिलहाल सेंसेक्स 300 से ज्यादा और निफ्टी 90 से ज्यादा अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे बढ़कर 85.48 पर पहुंचा। बैंक शेयरों में मुनाफावसूली के बीच चार दिन की तेजी के बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182.77 अंक गिरकर 83,876.13 पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.25 अंक गिरकर 25,591.55 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक पिछड़ते नजर आए। ऐसे ही लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इटरनल हरे निशान पर दिखाई दिए। पिछले चार कारोबारी दिनों में सेंसेक्स 2,162.11 अंक या 2.64 प्रतिशत उछला था।

ऐसे ही निफ्टी 665.9 अंक या 2.66 प्रतिशत चढ़ा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,397.02 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहा था, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करता दिखा। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत गिरकर 67.61 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

विश्व बैंक की रिपोर्ट : संघर्ष की आग में जलते देश, एक अरब लोग झेल रहे गरीबी; पांच साल में 20फीसदी तक गिरती है आय

नई दिल्ली ।

दुनिया भर के संघर्षग्रस्त इलाकों में रहने वाले करीब एक अरब लोग सिर्फ गोलियों और विस्फोटों से ही नहीं बल्कि भूख, बीमारी और गरीबी की धीमी मौत से भी जूझ रहे हैं। विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में सामने आया है कि हिंसक संघर्ष से जूझते देशों में न सिर्फ गरीबी चरम पर है बल्कि वहां के नागरिकों की औसत आयु, स्वास्थ्य सुविधाएं और आर्थिक विकास भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उच्च तीव्रता वाले संघर्षों के कारण ऐसे देशों की प्रति व्यक्ति आय में पांच वर्षों के भीतर करीब 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की जाती है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की लगभग एक अरब आबादी उन 39 देशों या क्षेत्रों में रह रही है, जो पिछले कई वर्षों से संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रहे हैं। ये देश एफसीएस (फ्रैगिलिटी कनफ्लिक्ट एंड वायलेंस) श्रेणी में आते हैं। इनमें से ज्यादातर उप-सहारा अफ्रीका में हैं, जबकि कुछ पश्चिम एशिया, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र में भी हैं। इन देशों में रहने वाले नागरिकों के लिए संघर्ष सिर्फ एक राजनीतिक या सैन्य चुनौती नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा संकट बन चुका है। इन क्षेत्रों में अगर लोग जीवित बच भी गए तो यह संघर्ष जीवन भर के लिए भारी कठिनाइयों सबब बन जाता है। सामान्य विकासशील देशों में जहां चरम गरीबी की दर मात्र 6 फीसदी है, वहीं संघर्ष-ग्रस्त देशों में यह लगभग 40 फीसदी तक पहुंच गई है। एफसीएस देशों की लगभग 20 करोड़ आबादी इस समय गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझ रही है। यह संख्या अन्य विकासशील देशों की तुलना में 18 गुना अधिक है। यही नहीं अन्य देशों के मुकाबले यहां शिशु मृत्यु दर भी दो गुनी अधिक और औसत जीवन प्रत्याशा सात वर्ष कम यानी 71 वर्ष के मुकाबले 64 है।

स्वास्थ्य ढांचा अक्सर या तो पूरी तरह ध्वस्त होता है या फिर लगातार चल रहे संघर्षों के कारण चरमराया रहता है। कई अस्पताल बंद हो चुके हैं, दवाओं की भारी कमी है और प्रशिक्षित चिकित्सकों का पलायन जारी है। सूडान दशकों से गृहयुद्ध, तख्तापलट और जातीय हिंसा से जूझ रहा है। वर्ष 2023-24 में शुरू हुए नए सशस्त्र संघर्ष ने राजधानी खार्तूम सहित कई शहरों को खंडहर बना दिया है। लाखों लोग बेघर हुए हैं और खाद्य संकट ने विकराल रूप ले लिया है। इथियोपिया के टीग्रेय क्षेत्र में सरकार और विद्रोही गुटों के बीच हुए संघर्ष ने 2020 से लेकर अब तक लाखों जानें ली हैं। हजारों लोगों ने पड़ोसी देशों में शरण ली, और व्यापक अकाल जैसी स्थिति बनी। गाजा और वेस्ट बैंक में इस्राइल-हमास संघर्ष ने पहले से ही संकटग्रस्त इस क्षेत्र को और अधिक तबाही की ओर धकेल दिया है।

गाजा में बुनियादी स्वास्थ्य, पानी और बिजली जैसी सुविधाएं लगभग पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हैं। इसी तरह रूस के साथ चल रहे युद्ध ने यूक्रेनी अर्थव्यवस्था को गहरा आघात दिया है। 2022 के बाद से जीडीपी में जबरदस्त गिरावट आई और लाखों नागरिकों को अन्य देशों में शरण लेनी पड़ी है। इस्राइल से युद्ध के कारण ईरान की भी एक बहुत बड़ी आबादी संकट में आ गई है।

एक शतक जड़ते ही विराट और सचिन को इस मामले में पीछे छोड़ देंगे पंत, द्रविड़ का रिकॉर्ड भी खतरे में

बर्मिंघम । (वेबवार्ता) भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बुधवार से बर्मिंघम में खेला जाएगा। इसको लेकर भारतीय खिलाड़ी जमकर पसीना बहा रहे हैं। लीड्स में हार के बाद भारत को वापसी करने के लिए यह टेस्ट जीतना होगा। हालांकि, बर्मिंघम में टीम इंडिया का पिछला रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है। टीम ने आठ में से सात मैच गंवाए हैं और एक मैच ड्रॉ रहा है। हालांकि, शुभमन गिल अगला टेस्ट जीतकर इस मैदान पर जीत हासिल करने वाले पहले कप्तान बनना चाहेंगे। टीम को एक बार फिर ऋषभ पंत से काफी उम्मीदें होंगी। भारत जब पिछली बार इस मैदान पर उतरा था तो पंत ने शतक लगाया था। 2022 में खेले गए उस मुकाबले में पंत ने पहली पारी में 146 रन और दूसरी पारी में 57 रन बनाए थे। अब उनसे फिर से शतक की उम्मीद की जा रही है।

अगर वह आगामी टेस्ट में एक शतक लगाते हैं तो विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर को दो अलग-अलग मामले में पीछे छोड़ देंगे। फिर उनसे आगे सिर्फ राहुल द्रविड़ रह जाएंगे। दरअसल, पंत ने अब तक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में कुल मिलाकर पांच शतक जड़े हैं। इनमें चार शतक पंत ने इंग्लैंड की धरती पर और एक शतक भारतीय सरजमीं पर लगाया है। अगर वह एक शतक लगाते हैं तो इंग्लैंड में द्रविड़ के बाद दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी वह सचिन और दिलीप वेंगसरकर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। तीनों ने इंग्लैंड की धरती पर चार-चार शतक लगाए हैं। एक शतक लगाते ही पंत सचिन को पीछे छोड़ देंगे। द्रविड़ इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड में सबसे ज्यादा छह शतक लगाए हैं। अगर पंत दोनों पारियों में शतक लगाते हैं तो द्रविड़ की बराबरी कर लेंगे। दो से ज्यादा शतक लगाकर पंत के पास इस सीरीज में द्रविड़ से आगे निकलने का भी मौका है। इतना ही नहीं, एक शतक लगाते ही पंत इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे। इस मामले में वह मोहम्मद अजहरुद्दीन की बराबरी करेंगे। पंत ने भर और इंग्लैंड को मिलाकर इंग्लिश टीम के खिलाफ पांच शतक लगाए हैं। वह कोहली, पुजारा और वेंगसरकर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। एक शतक लगाते ही उनके छह शतक हो जाएंगे और अजहरुद्दीन की बराबरी कर लेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय में द्रविड़ और सचिन शीर्ष पर हैं। दोनों ने इंग्लिश टीम के खिलाफ सात-सात शतक जड़े हैं। पंत के पास इनसे आगे निकलने का भी मौका है। इंग्लैंड में ओवरऑल सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विदेशी बल्लेबाजों में ऑस्ट्रेलिया के महान सर डॉन ब्रैडमैन शीर्ष पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 11 शतक जड़े थे। दूसरे और तीसरे नंबर पर भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ही हैं। स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड में आठ शतक और पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने इंग्लैंड में सात शतक लगाए हैं। इसके बाद विदेशी बल्लेबाजों में राहुल द्रविड़ (6 शतक), वेस्टइंडीज के गॉर्डन ग्रीनीज (6 शतक), ऑस्ट्रेलिया के विलियम बार्डस्ले (5 शतक) और एलेन बॉर्डर (5 शतक) का नंबर आता है। वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स, दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ, वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स और ऑस्ट्रेलिया के मार्क टेलर ने भी इंग्लैंड में पांच-पांच शतक लगाए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से ललित मोदी को झटका, बीसीसीआई से ईडी का जुर्माना भरने की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली।

उच्चतम न्यायालय ने ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने फेमा के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके ऊपर लगाया गया 10.65 करोड़ रुपये का जुर्माना बीसीसीआई को अदा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। हालांकि, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि ललित मोदी को कानून के अनुसार उपलब्ध उपायों का लाभ प्राप्त करने का अधिकार होगा। पिछले साल 19 दिसंबर को मुंबई उच्च न्यायालय ने ललित मोदी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था और उनकी वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन पर लगाए गए 10.65 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान बीसीसीआई को करने का आदेश देने का अनुरोध किया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि याचिका पूरी तरह से भ्रामक है क्योंकि फेमा के तहत न्यायिक प्राधिकरण ने ललित मोदी पर जुर्माना लगाया था। ललित मोदी ने अपनी याचिका में कहा कि उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था, इस दौरान वह बीसीसीआई की एक उपसमिति, इंडियन प्रीमियर लीग शासी निकाय के अध्यक्ष भी थे। याचिका में दावा किया गया कि बीसीसीआई को उपनियमों के अनुसार उन्हें क्षतिपूर्ति देनी चाहिए। हालांकि, उच्च न्यायालय की पीठ ने 2005 के उच्चतम न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि बीसीसीआई संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत परिभाषित 'राज्य' की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता है। उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद ललित मोदी ने 2018 में यह याचिका दायर की। उच्च न्यायालय ने कहा था, %ईडी द्वारा याचिकाकर्ता (ललित मोदी) पर लगाए गए जुर्माने के संदर्भ में याचिकाकर्ता की कथित क्षतिपूर्ति के मामले में किसी सार्वजनिक कार्य के निर्वहन का कोई सवाल ही नहीं है, और इसलिए, इस उद्देश्य के लिए, बीसीसीआई को कोई रिट जारी नहीं की जा सकती। अदालत ने कहा था, किसी भी स्थिति में, राहत देना पूरी तरह से गलत है। यह याचिका तुच्छ है, और तदनुसार, हम इस याचिका को खारिज करते हैं। उसने ललित मोदी को चार सप्ताह के भीतर टाटा मेमोरियल अस्पताल को एक लाख रुपये की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया।

बुमराह तीन मैच खेलेंगे, डिविलियर्स ने गंभीर और टीम मैनेजमेंट को लताड़ा, डेल स्टेन का दिया उदाहरण

बर्मिंघम । भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला दो जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। टीम इंडिया को लीड्स में पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट पर बात की थी और उन्हें तीन टेस्ट खिलाने की बात कही थी। हालांकि, गंभीर के इस बयान और फैसले से दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स खुश नहीं दिखे। उन्होंने गंभीर और भारतीय टीम मैनेजमेंट को निशाने पर लिया है। साथ ही पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का उदाहरण देकर बुमराह के वर्कलोड को भी उसी तरह मैनेज करने के लिए कहा। दरअसल, बुमराह देश हो या विदेश, हर मैदान पर भारत के प्रमुख हथियार रहे हैं। हालांकि, उनके सिर्फ तीन टेस्ट खेलने से टीम इंडिया को अन्य दो मैचों में किसी अलग गेंदबाज के साथ उतरना पड़ेगा और इंग्लैंड की टीम इसका फायदा उठा सकती है। बुमराह के प्रभाव का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि लीड्स टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने पांच विकेट लिए तो इंग्लैंड की टीम ऑलआउट हो गई और दूसरी पारी में उन्हें विकेट नहीं मिला तो इंग्लिश टीम ने रन चेज कर लिया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी बुमराह ही प्रमुख गेंदबाज रहे थे।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान रह चुके डिविलियर्स ने भी एक वक्त महान गेंदबाज डेल स्टेन का वर्कलोड मैनेज किया था। स्टेन जिस भी सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की टीम का हिस्सा होते थे तो वह सभी मैच खेलते थे। यही वजह है कि डिविलियर्स भारतीय टीम प्रबंधन के फैसले से सहमत नहीं हैं। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, बुमराह संभवत-इस समय सभी प्रारूपों में दुनिया का शीर्ष गेंदबाज है। इसलिए यह फैसला करना काफी मुश्किल है कि उन्हें आराम देने का तरीका क्या है। उन्होंने कहा, मेरी राय में टेस्ट क्रिकेट खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। मेरे विचार से बुमराह की सबसे ज्यादा जरूरत इस टेस्ट सीरीज में है कि वह पांचों मैच खेलें (क्योंकि टीम युवा है)। स्टेन का उदाहरण देते हुए डिविलियर्स ने कहा कि बुमराह को कम महत्वपूर्ण टी20 और वनडे मैचों के लिए आराम दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, हम डेल स्टेन के साथ यही किया करते थे। उन्हें कम महत्वपूर्ण टी20 और वनडे सीरीज में आराम दिया जाता था। स्टेन को ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत के खिलाफ उनके घर में बड़ी टेस्ट सीरीज के लिए तैयार रहने के लिए कहा जाता था। कुछ हद तक न्यूजीलैंड के खिलाफ भी, यह तब की रैंकिंग पर निर्भर करता था। डिविलियर्स ने भारतीय टीम मैनेजमेंट पर खिलाड़ियों का ठीक से प्रबंधन नहीं करने तक के आरोप लगाए और उन्होंने सवाल किया कि ऐसा क्या हुआ जो टीम मैनेजमेंट को यह फैसला करना पड़ा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि यह कुप्रबंधन था या शायद इसलिए कि वह हाल में चोट से लौटे हैं। हो सकता है बुमराह सर्जन के पास गए हों और उन्होंने बताया हो कि वह पांच टेस्ट मैच नहीं खेल सकते। मेरा मतलब है कि आपको इसका सम्मान करना होगा और अंत में यह टीम इंडिया पर निर्भर करता है कि वह बुमराह को अच्छी तरह से किस प्रकार मैनेज कर सकते हैं।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम, दूसरे टी20 में होगी हरमनप्रीत कौर की वापसी?

हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रनों से हराया था। अब टीम की नजर दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करने पर होगी। ब्रिस्टल में मंगलवार को दूसरा मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा, जिसमें हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद है। पहले मुकाबले में उनकी जगह स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली थी।

ब्रिस्टल । भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड से पांच मैचों की टी20 सीरीज में सामना हो रहा है। हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रनों से हराया था। अब टीम की नजर दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करने पर होगी। ब्रिस्टल में मंगलवार को दूसरा मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा, जिसमें हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद है। पहले मुकाबले में उनकी जगह स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली थी।

अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हुई थीं हरमनप्रीत

नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था।

भारत की गेंदबाजी के आगे पस्त हुई इंग्लैंड की टीम

मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई। यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया, जिसका बाद में भारतीय गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए।

मंधाना और हरलीन की बल्लेबाजी ने बनाया इंग्लैंड पर दबाव

पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं। भारतीय खिलाड़ियों को बंगलुरू में लंबे शिविर के बाद इंग्लैंड में जल्दी पहुंचने और कुछ अभ्यास मैचों में खेलने से लय हासिल करने में मदद मिली और पहले मैच में उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय टीम अपनी प्रमुख तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर के चोटिल होने के बावजूद बेहतर टीम नजर आ रही थी। हरलीन देओल को तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला भी सही साबित हुआ क्योंकि उन्होंने मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। यह सीरीज निश्चित रूप से भारत की युवा खिलाड़ियों को अगले साल इंग्लैंड में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों का जायजा लेने में मदद करेगी। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में हालांकि समीकरण बदलने में देर नहीं लगती और इसलिए भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा क्योंकि इंग्लैंड की टीम वापसी करने के लिए बेताब होगी।

टीम इस प्रकार हैं

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी, राधा यादव।

इंग्लैंड- नताली सिवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट (विकेटकीपर), सोफिया डंकली, एमी जोन्स (विकेटकीपर), डैनी व्याट-हॉज, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, पैगे शॉलिफल्ड, एम अर्लट, लॉरेन बेल, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, लिन्सी स्मिथ, इसी वोंग।

पोलार्ड की तूफानी पारी पर भारी पड़ा डुप्लेसिस का शतक, सुपर किंग्स ने एमआई को हराया, फाफ टॉप पर पहुंचे

डलास । मेजर लीग क्रिकेट में रविवार को टेक्सास सुपर किंग्स और एमआई न्यूयॉर्क के बीच मुकाबला खेला गया। डलास में खेले गए इस मैच में सुपर किंग्स ने कप्तान फाफ डुप्लेसिस के शतक की बदौलत न्यूयॉर्क को 39 रन से हरा दिया। डुप्लेसिस ने 53 गेंद पर पांच चौके और नौ छक्के की मद से नाबाद 103 रन की पारी खेली। टेक्सास सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाए। जवाब में एमआई न्यूयॉर्क की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 184 रन ही बना सकी। कीरोन पोलार्ड की 39 गेंद में 70 रन की तूफानी पारी भी बेकार गई। यह इस सीजन डुप्लेसिस का दूसरा शतक रहा। इससे पहले उन्होंने सेन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के खिलाफ 51 गेंद में 100 रन बनाए थे। इसी के साथ डुप्लेसिस फिलहाल मेजर लीग क्रिकेट के इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अब तक सात पारियों में 52.83 की औसत और 179.10 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए हैं। वहीं, फिन एलेन 305 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मोनांक पटेल ने सात पारियों में 293 रन बनाए हैं। इसी के साथ टेक्सास सुपर किंग्स ने लगातार तीसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया। दरअसल, टॉस जीतने के बाद एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान निकोलस पूरन ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टेक्सास की शुरुआत खराब रही थी और स्मित पटेल तीन रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान डुप्लेसिस और सैतेजा मुक्कामाला ने दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी निभाई। सैतेजा 18 गेंद में तीन चौके की मदद से 25 रन बनाकर आउट हुए। फिर डुप्लेसिस ने मार्कस स्टोइनिस के साथ तीसरे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी निभाई। स्टोइनिस 22 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। फिर डुप्लेसिस ने डोनोवन फरेरा के साथ चौथे विकेट के लिए 81 रन जोड़े। फरेरा ने तूफानी बल्लेबाजी की और 20 गेंद में तीन चौके और पांच छक्के की मदद से 53 रन बनाकर आउट हुए। इस बीच डुप्लेसिस ने भी शतक पूरा किया। वह 103 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, स्वाज दो रन बनाकर नाबाद रहे। एमआई की ओर से जॉर्ज लिंडे और रुशिल उगरकर को दो-दो विकेट मिले। 224 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआई न्यूयॉर्क की टीम की शुरुआत खराब रही और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। 75 रन तक टीम ने क्विंटन डिकॉक, कप्तान पूरन, मोनांक पटेल और तजिंदर ढिल्लों के विकेट गंवा दिए थे। डिकॉक 25 गेंद में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 35 रन, पूरन आठ रन, मोनांक छह रन और तजिंदर 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पोलार्ड ने माइकल ब्रेसवेल के साथ पांचवें विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाई। ब्रेसवेल 20 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होने के बाद विकेट की झड़ी लग गई। पोलार्ड 39 गेंद में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 70 रन की तूफानी पारी खेलकर आउट हुए। जॉर्ज लिंडे छह रन, ट्रेंट बोल्ट छह रन बनाकर आउट हुए। वहीं, रुशिल खाता नहीं खोल सके। एमआई की टीम 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 184 रन ही बना सकी।

एक नजर

पीएसजी ने मेसी की इंटर मियामी को हराया; हैरी केन के दो गोल से म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को दी शिकस्त

मियामी गार्डेंस । जोआओ नेवेस के दो गोल की बदौलत चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने विश्व के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को 4-0 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेसी मेजर लीग सॉकर में आने से पहले दो सीजन पीएसजी से भी खेल चुके हैं। अटलांटा के स्टेडियम में 65,574 दर्शकों के अपार समर्थन के बावजूद अर्जेंटीना का स्टार खिलाड़ी कोई जादू नहीं कर पाया और उनकी टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। नेवेस ने मैच के छठे मिनट में अपना पहला गोल दागा। पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने 39वें मिनट में एक और गोल किया। इंटर मियामी पहले हाफ के अंतिम चरण में पूरी तरह से बिखर गया और उसने आत्मघाती गोल कर दिया। अशरफ हकीमी ने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करके पीएसजी को मध्यांतर से पहले चार गोल की बढ़त दिला दी। पीएसजी की इस जीत ने एक महीने पहले खेले गए चैंपियंस लीग के फाइनल की याद ताजा कर दी जब फ्रांस के इस क्लब ने इंटर मिलान को 5-0 से हराकर पहली बार यूरोपीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। क्वार्टर फाइनल में पीएसजी का मुकाबला शनिवार को अटलांटा में बायर्न म्यूनिख से होगा। जर्मन क्लब ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी हैरी केन के दो गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने अच्छी शुरुआत का फायदा उठाते हुए रविवार को मियामी गार्डेंस स्टेडियम में क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 के मुकाबले में फ्लेमेंगो को 4-2 से हरा दिया। जर्मनी के प्रमुख फुटबॉल क्लब ने पिछले सप्ताह बेनफिका के खिलाफ टूर्नामेंट में मिली एकमात्र हार के बाद शानदार वापसी की तथा पहले 10 मिनट में ही 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उसने फ्लेमेंगो के वापसी के प्रयासों को विफल कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बायर्न म्यूनिख का सामना शनिवार को अटलांटा में चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा, जिसने लियोनेल मेसी की इंटर मियामी को 4-0 से हराया। केन ने अपना पहला गोल मैच के नौवें मिनट में किया जिससे बायर्न दो गोल से आगे हो गया। इससे पहले उसने छठे मिनट में फ्लेमेंगो के स्टार एरिक पुलगर के आत्मघाती गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की थी। फ्लेमेंगो को कई मौके मिले, लेकिन ब्राजीली क्लब उनका फायदा उठाने में विफल रहा। गेर्सन ने 32वें मिनट में फ्लेमेंगो की तरफ से पहला गोल किया लेकिन 41वें मिनट में लियोन गोरेत्स्का ने बायर्न की दो गोल की बढ़त बहाल कर दी। दूसरे हाफ में जोर्गिन्हो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर ब्राजील के क्लब को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन केन ने 73वें मिनट में मैच का अपना दूसरा और टूर्नामेंट का तीसरा गोल करके जर्मनी के क्लब की जीत सुनिश्चित की।

भारत के आयुष ने यूएस ओपन का खिताब जीता, उनका पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल; तन्वी को फाइनल में मिली हार

आयोवा । भारत के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग पर सीधे गेम में जीत के साथ अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही इस सत्र में भारत का खिताबी सूखा खत्म हुआ। 2023 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य विजेता 20 वर्षीय आयुष ने रविवार को तीसरे वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट में 21-18, 21-13 से हरा दिया। वहीं, महिला एकल फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा शीर्ष वरीय अमेरिका की बेवेन झांग से तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हारकर उप विजेता रहीं। अपना पहला विश्व टूर फाइनल खेल रहीं गैरवरीय तन्वी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष की यांग पर यह तीसरी जीत रही। उन्होंने इस साल के शुरू में मलेशिया ओपन और ताइपे ओपन में उन्हें हराया था। आयुष ने इस पूरे हफ्ते में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत हासिल की थी। पुरुष एकल फाइनल की शुरुआत में स्कोर 6-6 से बराबर रहा था, लेकिन चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने कई विनर्स लगाकर मिड तक यांग पर 11-6 की बढ़त बना ली। यांग ने अंतर को 13-11 तक कम कर दिया और 16-16 से बराबरी हासिल कर ली, लेकिन आयुष ने अच्छी तरह से लगाए गए शॉट्स के साथ नियंत्रण हासिल कर लिया और निर्णायक जंप स्मैश के साथ शुरुआती गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारत के स्टार शटलर ने 7-2 की बढ़त बना ली, लेकिन यांग ने कुछ समय बाद स्कोर फिर से बराबर कर लिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखा और अटैक-डिफेंस का सही तरीके से उपयोग करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को मैच से दूर रखा। 17-12 से आगे होने के बाद आयुष ने क्रॉस-कोर्ट पंच के साथ मैच को लगभग समाप्त कर दिया। इसके बाद एक और शक्तिशाली स्मैश से अपना पहला वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। आयुष 2023 बहरीन इंटरनेशनल और 2024 डच ओपन में फाइनल में जगह बनाने के अलावा 2023 ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे महिला एकल फाइनल में तन्वी को शुरू से ही जूझना पड़ा क्योंकि झांग ने पहले गेम में 11-5 की बढ़त बना ली, जिससे तन्वी पार नहीं पा सकी। दूसरे गेम में तन्वी ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए 4-0 की बढ़त बना ली और झांग ने लंबी रैलियों के साथ उन्हें फंसाने की कोशिश की, लेकिन तन्वी ने पूरा ध्यान स्थिति पर बनाए रखा। दूसरे गेम के मिड ब्रेक तक तन्वी ने 11-9 की बढ़त बना रखी थी। झांग ने फिर गलतियां की और तन्वी ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए दूसरा गेम अपने नाम किया और मैच निर्णायक गेम में पहुंचा। हालांकि, तन्वी तीसरे गेम में झांग ने जबरदस्त वापसी की और मिड ब्रेक तक 11-4 की बढ़त बना ली। उन्होंने इस बढ़त को बनाए रखा और मैच भी अपने नाम कर लिया।

शाहीद अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं यशस्वी जायसवाल,रोहित शर्मा को भी पछाड़ देंगे

स्पोर्ट्स डेस्क । 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। टीम इंडिया सीरीज में 0-1 से पिछड़ी हुई है। पिछली गलतियों को भुलाकर टीम दूसरे टेस्ट में वापसी करना चाहेगी। पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले यशस्वी जायसवाल एक वर्ल्ड रिकॉर्ड को बनाने की दहलीज पर हैं। यशस्वी जायसवाल ने लीड्स टेस्ट में पहली पारी में 101 रन बनाए थे, हालांकि, वह दूसरी पारी में सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वह अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह शाहिद अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने के करीब है। अभी ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के नाम है। उन्होंने 46 पारियों में अपने टेस्ट क्रिकेट के 50 छक्के पूरे किए थे। यशस्वी जायसवाल की बात करें तो उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 38 पारियों में 40 छक्के लगाए हैं। वह 10 छक्के लगाकर अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। बता दें कि, यशस्वी जायसवाल का टेस्ट रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ अच्छा रहता है। उन्होंने अभी तक 11 पारियों में 27 छक्के लगाए हैं। सबसे ज्यादा छक्के उन्होंने इसी एक टीम के खिलाफ लगाए हैं। अगर वह दूसरे टेस्ट में भी 10 छक्के नहीं लगा पाए तो भी उनके पास आगे ये रिकॉर्ड तोड़ने का मौका रहेगा। अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें अगली 7 पारियों में 10 छक्के लगाने हैं। वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 50 छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज रोहित शर्मा हैं। जिन्होंने हाल ही में टेस्ट से रिटायरमेंट ली है। उन्होंने 51 पारियों में इस आंकड़े को छुआ था, जायसवाल का रोहित को पछाड़ना तो लगभग तय है। जायसवाल ने अभी टेस्ट में खेले 20 मैचों की 38 पारियों में 1903 रन बनाए हैं, वह 2000 टेस्ट रन पूरे करने के भी करीब हैं। टेस्ट में वह अभी तक 5 शतकीय और 10 अर्धशतकीय पारियां खेल चुके हैं।

निकहत और अंकुशिता की शानदार जीत, एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में बनाई जगह

हैदराबाद । दो दफा की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने रविवार को यहां एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार जीत से 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने कल्पना पर 5-0 से शानदार जीत के साथ घरेलू दर्शकों को खुश कर दिया। पूर्व युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और राजस्थान की मुक्केबाज पार्थवी पर 5-0 की शानदार जीत के साथ 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई। तमिलनाडु की वी लक्ष्या (51 किग्रा) ने लक्ष्मी देवी पर 5-0 की जीत से प्रभावित किया जबकि तनु (54 किग्रा), शशि (65 किग्रा) और वंशी शर्मा (65 किग्रा) भी मजबूत प्रदर्शन की बदौलत अगले दौर में पहुंची।